website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 235 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 03 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने वाराणसी में बढ़ते बाढ़ के खतरे की समीक्षा की, राहत के निर्देश दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बाढ़ की गंभीर होती स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान पीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर बाढ़ प्रभावित व्यक्ति को समय पर सहायता मिले। इस समय गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और यह शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा कर रहा है। शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 70.28 मीटर तक पहुंच गया और यह हर घंटे करीब 4 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने डिविजनल कमिश्नर और जिलाधिकारी से फोन पर बातचीत कर बाढ़ की ताजा स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों और प्रभावित लोगों को दी जा रही मदद की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से यह पूछा कि राहत शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए भोजन, पानी और चिकित्सा जैसी जरूरी सुविधाएं किस तरह उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रशासन सुनिश्चित करे कि किसी भी बाढ़ पीड़ित को मदद से वंचित न रहना पड़े।

केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, वाराणसी में गंगा का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 71.262 मीटर और उच्च बाढ़ स्तर 73.901 मीटर तय है। वर्तमान जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर जा चुका है और अगर बढ़ोतरी यूं ही जारी रही, तो जल्द ही यह खतरे के निशान को भी पार कर सकता है।

जिलाधिकारी ने बताया कि पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है और अब बाढ़ का पानी शहर के निचले इलाकों में प्रवेश करने लगा है। इससे कई निवासियों को खतरा उत्पन्न हो गया है। प्रशासन ने राहत शिविर स्थापित किए हैं जहां लोगों को सुरक्षित आश्रय, भोजन, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा दी जा रही है। इसके अलावा, नावों और मोटरबोट्स के जरिए जरूरतमंदों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बढ़ते खतरे को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को भी अलर्ट पर रखा गया है। स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

अमरनाथ यात्रा एक हफ्ते पहले रोकी गई: भारी बारिश से रास्ते हुए खराब

-अब तक 4.1 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा को तय समय से एक हफ्ता पहले ही रोक दिया गया है। यह यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 9 अगस्त तक चलनी थी, लेकिन मौसम की मार के कारण इसे 3 अगस्त को ही बंद करना पड़ा।

डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने जानकारी दी कि बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर बारिश से व्यापक नुकसान हुआ है। "दोनों रास्तों की हालत इतनी खराब हो गई है कि वहां मरम्मत का काम शुरू करना अनिवार्य हो गया है। इस कारण श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा को असमय रोकने का निर्णय लिया गया," उन्होंने बताया।

बिधूड़ी ने यह भी स्पष्ट किया कि रास्तों की मरम्मत के लिए भारी मशीनरी और कर्मचारियों की तैनाती की जा चुकी है, ऐसे में यात्रा को दोबारा शुरू करना इस सीजन में संभव नहीं है।

अमरनाथ यात्रा देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी हुई है। इस वर्ष करीब 4.10 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 5.10 लाख से ज्यादा था।

गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा हर साल सावन के महीने में शुरू होती है और रक्षाबंधन के दिन समाप्त होती है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा तक की कठिन यात्रा कर शिवलिंग के दर्शन करते हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। खराब मौसम को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबलों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

भारतीय वायुसेना को स्पेन से मिला अंतिम C-295 सैन्य विमान, रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय राजदूत दिनेश के. पटनायक और भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने आज शनिवार को स्पेन के सेविले शहर में अंतिम 16वां एयरबस C-295 सैन्य परिवहन विमान प्राप्त किया। यह डिलीवरी तय समय से दो महीने पहले हुई, जो भारत की सैन्य तैयारियों और वैश्विक रक्षा साझेदारी को नया आयाम देती है।

भारतीय दूतावास, मैड्रिड ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा, "भारतीय राजदूत दिनेश के पटनायक और भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सेविले स्थित एयरबस डिफेंस एंड स्पेस असेंबली लाइन में अंतिम C-295 सैन्य विमान प्राप्त किया। यह डिलीवरी निर्धारित समय से दो माह पूर्व पूरी हुई, जो भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।"

भारत में निर्मित होंगे C-295 के शेष 40 विमान, स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर जोर

यह डिलीवरी उस बड़े रक्षा सौदे का हिस्सा है, जिसके तहत भारत को कुल 56 C-295 विमानों की आपूर्ति की जानी है। इसमें से पहले 16 विमान एयरबस द्वारा स्पेन में बनाए गए हैं और बाकी 40 विमान भारत में घरेलू उत्पादन के तहत बनाए जाएंगे। अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने संयुक्त रूप से गुजरात के वडोदरा स्थित टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) कैंपस में C-295 विमान निर्माण के लिए बने TATA Aircraft Complex का उद्घाटन किया था। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा था कि यह परियोजना 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को गति देगी और भारत-स्पेन संबंधों को नई मजबूती देगी।

वडोदरा में स्थापित यह उत्पादन इकाई भारत में सैन्य विमानों की पहली निजी क्षेत्र की 'फाइनल असेंबली लाइन' (Final Assembly Line – FAL) बनी है। इससे स्वदेशी उत्पादन क्षमताएं बढ़ेंगी और भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम होगा। इस परियोजना के माध्यम से भारत न केवल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल कर रहा है, बल्कि वह विदेशी रक्षा आपूर्ति पर अपनी निर्भरता को भी तेजी से घटा रहा है। अब तक आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब रक्षा उत्पादन का एक उभरता हुआ केंद्र बनता जा रहा है।

जयपुर-दिल्ली एयर इंडिया एक्सप्रेस की 2 फ्लाइट्स आखिरी वक्त पर रद्द

-सैकड़ों यात्री परेशान, एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई की उठी मांग

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एयर इंडिया एक्सप्रेस की दो फ्लाइट्स को अचानक रद्द कर दिया गया। दिल्ली से जयपुर और जयपुर से दिल्ली जाने वाली ये दोनों उड़ानें संचालन कारणों के चलते अंतिम क्षणों में कैंसिल कर दी गईं, जिससे सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कौन-कौन सी फ्लाइट्स हुईं रद्द?

1.फ्लाइट IX-1194:
यह फ्लाइट सुबह 6:35 बजे दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना होनी थी और 7:35 बजे जयपुर पहुंचती। लेकिन टेकऑफ से कुछ समय पहले ही इसे रद्द कर दिया गया।

2.फ्लाइट IX-1182:
यह फ्लाइट सुबह 8:05 बजे जयपुर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली थी और 9:05 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करती। यात्रियों को फ्लाइट कैंसिलेशन की सूचना ऐन मौके पर दी गई।

यात्रियों में गुस्सा, कार्रवाई की मांग

फ्लाइट्स के अचानक रद्द होने से यात्रियों को न केवल समय और पैसे का नुकसान हुआ, बल्कि उनकी यात्रा योजनाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुईं। सुबह 5:30 बजे से ही जयपुर एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाले पैसेंजर्स जुटना शुरू हो गए थे, जबकि कई यात्री 7 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच चुके थे। लेकिन उन्हें आखिरी क्षणों में फ्लाइट रद्द होने की जानकारी दी गई।

यात्रियों ने एयरलाइन कंपनी के इस रवैये को "गैर-जिम्मेदाराना और अस्वीकार्य" बताया और सरकार व एविएशन अथॉरिटी से एयर इंडिया एक्सप्रेस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एक यात्री ने कहा – "अगर तकनीकी या संचालन कारण थे तो कंपनी को पहले से जानकारी देनी चाहिए थी। आखिरी वक्त में कैंसिल करना बहुत ही गैर-ज़िम्मेदाराना है।"

एयरलाइन की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं

यात्रियों का कहना है कि एयरलाइन की ओर से न तो कोई वैकल्पिक फ्लाइट दी गई और न ही समुचित मुआवजा या सुविधा। कई पैसेंजर्स ने बताया कि उन्हें तत्काल में कोई दूसरी फ्लाइट भी उपलब्ध नहीं हो सकी, जिससे उन्हें महंगे दामों पर टिकट बुक करने या यात्रा टालने पर मजबूर होना पड़ा।

प्रशासन और डीजीसीए से हस्तक्षेप की मांग

पीड़ित यात्रियों ने नागर विमानन महानिदेशालय (DGCA) और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर एयरलाइन पर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। यात्रियों का कहना है कि इस तरह की लापरवाहियां भविष्य में भी दोहराई गईं तो आम नागरिकों का उड़ान पर से भरोसा उठ जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर किया

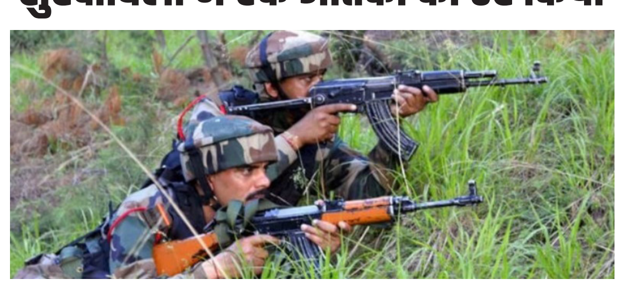

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया गया है। यह मुठभेड़ शुक्रवार रात से शुरू हुई थी और अभी तक जारी है। सेना ने इस अभियान को 'ऑपरेशन अखल' नाम दिया है। भारतीय सेना की चिनार कोर ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया, "रातभर गोलीबारी जारी रही। सतर्क सैनिकों ने संतुलित तरीके से कार्रवाई करते हुए घेराबंदी को मजबूत बनाए रखा। अब तक एक आतंकवादी मारा जा चुका है और ऑपरेशन अभी जारी है।"

सुरक्षा एजेंसियों को शुक्रवार को कुलगाम के अखल इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरू किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भी 'एक्स' पर पुष्टि करते हुए कहा कि एसओजी, सेना और सीआरपीएफ की टीमें ऑपरेशन में शामिल हैं।

यह इस हफ्ते की तीसरी बड़ी मुठभेड़ है। इससे पहले गुरुवार को पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास दो आतंकवादी मारे गए थे, जो पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ कर रहे थे। सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े तीन आतंकवादी भी एक विशेष ऑपरेशन में मारे गए थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जानकारी दी थी कि ये तीनों आतंकी पाकिस्तान के थे और 22 अप्रैल को पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या में शामिल थे।

अमेरिका रूस के पास तैनात करेगा 2 एटमी पनडुब्बियां

-ट्रम्प की धमकी पर रूस बोला- हमारे पास कहीं ज़्यादा न्यूक्लियर सबमरीन

वॉशिंगटन/मॉस्को। अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को रूस के नज़दीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने यह कदम रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के हालिया परमाणु हमले की धमकी के जवाब में उठाया है। ट्रम्प ने चेतावनी देते हुए कहा कि "अब रूस को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।"

हालांकि, अमेरिकी प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ये पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। लेकिन ट्रम्प के तीखे बयान और तैनाती के आदेश को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता गहराती जा रही है।

मेदवेदेव ने दी थी परमाणु हमला करने की धमकी

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर ट्रम्प को चेतावनी देते हुए कहा था—

"हम ईरान या इज़राइल नहीं हैं, ट्रम्प को यह समझना चाहिए। हर नया अमेरिकी अल्टीमेटम अब हमारे लिए युद्ध की धमकी है। रूस के पास अभी भी 'डेड हैंड' सिस्टम की ताकत है, जो सोवियत यूनियन की विरासत है।"

'डेड हैंड' सिस्टम यानी ऐसा ऑटोमैटिक परमाणु जवाबी हमला सिस्टम, जो यदि रूस पर हमला होता है तो बिना मानवीय दखल के जवाबी परमाणु हमले को अंजाम दे सकता है।

ट्रम्प बोले – अमेरिका पूरी तरह तैयार है

ट्रम्प ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अगर कोई हमारे सब्र की परीक्षा लेगा, तो उसे पछताना पड़ेगा।"

रूस की प्रतिक्रिया: "हमारे पास कहीं ज़्यादा न्यूक्लियर सबमरीन हैं"

अमेरिका की इस कार्रवाई पर रूस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। रूसी सांसद विक्टर वोडोलात्स्की ने सरकारी न्यूज एजेंसी TASS से बातचीत में कहा—

"दुनिया के महासागरों में रूस की न्यूक्लियर सबमरीन की तैनाती अमेरिका से कहीं ज़्यादा है। ट्रम्प जिन दो पनडुब्बियों को भेज रहे हैं, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। हमें कोई घबराने की जरूरत नहीं है।"

बातचीत की पेशकश भी

हालांकि, विक्टर ने कूटनीतिक लहजे में कहा कि अब समय है जब रूस और अमेरिका को एक ठोस समझौते की ओर बढ़ना चाहिए, जिससे विश्व युद्ध जैसी धमकियों का अंत हो और दुनिया को शांति मिले।

"अब ज़रूरत इस बात की है कि दोनों देश बैठकर शांति की दिशा में सोचें। विश्व युद्ध जैसी भाषा बंद होनी चाहिए।"

'राहुल गांधी क्यों इटली के व्यक्ति को वोट दिलाना चाहते': बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का कांग्रेस पर हमला

जयपुर। राजस्थान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सवाल उठाया—

"राहुल गांधी किसी इटली के व्यक्ति को लाकर उसे वोट देने का अधिकार क्यों दिलाना चाहते हैं?"

राठौड़ के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व और विशेष तौर पर सोनिया गांधी पर सीधा हमला माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीयत और मंशा को जनता अच्छी तरह समझ चुकी है।

जयपुर शहर कार्यकारिणी विवाद पर जताई नाराज़गी

मदन राठौड़ ने जयपुर शहर बीजेपी कार्यकारिणी की सूची सोशल मीडिया पर वायरल होने और उसमें हुए विवाद को लेकर भी नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा— "यह बहुत बड़ी गलती है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ और न ही होना चाहिए था। मैंने खुद यह खबर मीडिया के ज़रिए देखी। मैं राज्यसभा में मानसून सत्र के कारण व्यस्त था और शुक्रवार रात ही जयपुर लौटा हूं।" उन्होंने बताया कि अभी तक शहर अध्यक्ष से उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और मामले की पूरी समीक्षा की जाएगी।

"सचिन पायलट को निकम्मा-नकारा कहने वाली बात क्या भूली कांग्रेस?"

राठौड़ ने कांग्रेस के आंतरिक मतभेदों को भी निशाने पर लिया और कहा— "कांग्रेस आज जिस तरह की राजनीति कर रही है, उसमें खुद अपने नेताओं की कोई इज्जत नहीं है। क्या सचिन पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' कहने वाली बात को जनता भूल गई है?" उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं बचा है और पार्टी जनता के मुद्दों से भटककर सिर्फ सत्ता की राजनीति कर रही है।

समीक्षा के बाद होगा निर्णय: राठौड़

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जयपुर शहर कार्यकारिणी के विवाद पर जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी। उन्होंने कहा— "हम पूरी समीक्षा करेंगे, शहर अध्यक्ष से भी बात करेंगे और फिर ही कोई निर्णय लिया जाएगा। संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जाएगा।"

वाराणसी को 2200 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी को लगभग 2200 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की सौगात दी। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत समेत कई क्षेत्रों से जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री ने देशभर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के लिए भी शनिवार को 'किसान सम्मान निधि' योजना के तहत 20वीं किस्त जारी की।

वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को 'शिवलिंग' का स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के अलावा कई कैबिनेट मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि वे विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "आपने देखा होगा कि पिछले 11 सालों में चार दर्जन से अधिक देशों ने प्रधानमंत्री को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। पूरा विश्व जन कल्याण और विश्वहित के प्रति उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए भारत को आगे बढ़ाने का विजन दिया है। यह सौभाग्य है कि देश की संसद में वह काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। शनिवार को 2200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार काशी को देने के लिए प्रधानमंत्री का यहां आगमन हुआ है।

सीएम योगी ने कहा, "यह पहली बार है, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुआ है। वाराणसी में 11 सालों में 51 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृति हुईं, जिनमें से 34 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण हो चुका है। वह काशी को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं और पहचान दिला रहे हैं। 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं प्रगति के चरण में हैं।"

रेलवे ने गोगामेड़ी मेले को देखते हुए 52 ट्रेनों में बढ़ाए 69 कोच

- जनरल टिकट पर अब स्लीपर कोच में कर सकेंगे यात्रा

जयपुर/हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी मेले को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर मंडलों से जुड़ी कुल 52 ट्रेनों में 69 अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं। खास बात यह है कि इनमें द्वितीय शयनयान (स्लीपर) श्रेणी के कोच भी शामिल हैं, जिनमें अब जनरल टिकट पर यात्रा की अनुमति दी गई है।

जनरल डिब्बों की कमी बनी वजह

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में 90 से अधिक रेगुलर ट्रेनों में 120 से अधिक कोच बढ़ाए गए हैं। इसके कारण जनरल श्रेणी के कोचों की भारी कमी हो गई है। इसी को देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया कि यात्रियों को राहत देने के लिए स्लीपर कोचों में भी बिना रिजर्वेशन यात्रा की सुविधा दी जाए।

रेलवे के पीआरओ विनोद बेनीवाल ने बताया कि— "गोगामेड़ी मेले के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए ट्रेनों में अनरिजर्व कोच बढ़ाए जा रहे हैं। खासकर जिन रूट्स पर भारी भीड़ संभावित है, वहां स्लीपर कोचों को अनरिजर्व घोषित किया गया है।"

इन ट्रेनों में मिलेगा अतिरिक्त कोचों का लाभ

रेलवे ने बताया कि जिन प्रमुख ट्रेनों में यह सुविधा दी जा रही है, उनमें शामिल हैं:

- 14705/06 भिवानी–ढेहर का बालाजी–भिवानी एक्सप्रेस
- 14725/26 भिवानी–मथुरा–भिवानी पैसेंजर
- इसके अलावा जयपुर, अजमेर, बीकानेर और जोधपुर मंडलों की 52 ट्रेनों में यह सुविधा लागू की गई है।

यात्रियों को राहत, रेलवे को फायदा

इस निर्णय से यात्रियों को जहां भीड़भाड़ में बैठने की सुविधा मिलेगी, वहीं रेलवे को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। साथ ही, यह फैसला विशेष मौकों पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक व्यवहारिक समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे का अपील: स्टेशन पर समय से पहुंचे यात्री

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय से स्टेशन पहुंचे, और अनारक्षित टिकट लेकर निर्धारित कोच में ही यात्रा करें। रेलवे स्टाफ को निर्देश दिए गए हैं कि वे यात्रियों की मदद करें और उन्हें सही जानकारी दें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

खेलों में मेंटल हेल्थ की अनदेखी नहीं चल सकती: अब ज़रूरत है नीतियों की

खेल आज सिर्फ़ मैदान में जीत या हार का नाम नहीं हैं। यह शारीरिक फिटनेस की परीक्षा के साथ-साथ मानसिक संतुलन और दृढ़ता की भी कसौटी बन चुके हैं। ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भाग लेने वाले खिलाड़ी सिर्फ़ अपनी ताक़त और तकनीक से नहीं, बल्कि एक मज़बूत मानसिक ढांचे के साथ भी मैदान में उतरते हैं। हाल ही में ब्रिटेन की 20 वर्षीय तैराक और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली आंद्रिया हॉल ने मेंटल हेल्थ के चलते खेल से ब्रेक लेने का जो निर्णय लिया, वह दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। इस फैसले ने यह बात एक बार फिर स्पष्ट कर दी कि मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। आंद्रिया का फैसला साहसिक इसलिए भी है क्योंकि खेल की दुनिया में अब भी यह धारणा बनी हुई है कि खिलाड़ी को हमेशा मज़बूत, निडर और हर परिस्थिति में संतुलित रहना चाहिए। ऐसे में कोई खिलाड़ी जब खुलेआम मेंटल हेल्थ के कारण ब्रेक लेने की बात करता है, तो वह न सिर्फ़ एक व्यक्तिगत कदम होता है, बल्कि उस पूरे सिस्टम पर सवाल उठाता है जो भावनाओं को कमजोरी मानता है। हालांकि पश्चिमी देशों में पिछले कुछ वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता में काफी इज़ाफा हुआ है। अमेरिका की मशहूर जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स, टेनिस स्टार नाओमी ओसाका, और अब आंद्रिया जैसी खिलाड़ियों ने खुलकर अपनी समस्याएं साझा की हैं। इससे वहां की खेल संस्थाओं और नीति-निर्माताओं को मजबूरन ऐसे ढांचे बनाने पड़े हैं, जिनमें खिलाड़ी को काउंसलिंग, थेरैपी और रेस्ट जैसी सुविधाएं मिल सकें। लेकिन जब हम भारत या दक्षिण एशिया के बाकी देशों की बात करते हैं, तो तस्वीर थोड़ी निराशाजनक हो जाती है। भारत में खेल का मतलब अब भी ज़्यादातर लोग सिर्फ़ मैडल, पोजीशन और नंबर से लगाते हैं। खिलाड़ी की भावना, उस पर पड़ने वाला मानसिक दबाव या उसके भीतर चल रही भावनात्मक उठा-पटक पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है। कोचिंग कैंपों से लेकर प्रतियोगिता के मैदान तक, खिलाड़ी पर सफलता की एक ऐसी ज़िम्मेदारी डाल दी जाती है, जो कभी-कभी असहनीय हो जाती है। यह दबाव केवल प्रदर्शन का नहीं होता, बल्कि घर, समाज, संस्था और मीडिया की उम्मीदों का भी बोझ होता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी एक 'कमज़ोरी' के रूप में देखा जाता है। अगर कोई खिलाड़ी कह दे कि वह मानसिक रूप से थक गया है, तो उसे ज़्यादातर लोग या तो बहाना मानते हैं या उसे संघर्षहीन समझ बैठते हैं। यही कारण है कि भारतीय खेल प्रणाली में आज भी प्रोफेशनल काउंसलर या स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट की व्यवस्था लगभग न के बराबर है। हालांकि कुछ सुधार भी हुए हैं। टॉप्स (TOPS) योजना के तहत अब खिलाड़ियों को मानसिक मजबूती के लिए काउंसलिंग की सुविधा दी जा रही है, लेकिन यह प्रयास अब भी सीमित है और ज़्यादातर एलीट खिलाड़ियों तक ही सीमित है। ज़रूरत है कि मेंटल हेल्थ को हर स्तर पर खेल नीति का हिस्सा बनाया जाए—चाहे वह स्कूल स्तर का खिलाड़ी हो या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हो।

रिटर्न प्रणाली व इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी हो बदलाव: जीएसटी व्यवस्था को सरल और व्यवहारिक बनाने की ज़रूरत

-एक राष्ट्र, एक टैक्स - लेकिन क्या यह इतना सरल है?

2017 में लागू की गई वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली को भारत के कर ढांचे में अब तक का सबसे बड़ा सुधार माना जाता है। इसका उद्देश्य "एक राष्ट्र, एक टैक्स" के सिद्धांत को अपनाकर पूरे देश में कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और दक्ष बनाना था। लेकिन वास्तविकता में जीएसटी व्यवस्था ने करदाताओं, विशेषकर छोटे व मझोले व्यापारियों के लिए कई तरह की जटिलताएं खड़ी कर दी हैं। रिटर्न प्रणाली, इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की जटिलता और तकनीकी खामियों ने इस प्रणाली की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। इस लेख में हम विस्तार से चर्चा करेंगे कि जीएसटी की वर्तमान रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में क्या कमियां हैं, उनके क्या प्रभाव हैं और किन बदलावों की आवश्यकता है।

जीएसटी की वर्तमान रिटर्न प्रणाली: एक जटिल ढांचा

रिटर्न फाइलिंग की जटिलता

GST लागू होने के बाद व्यापारी को हर महीने GSTR-1, GSTR-3B और सालाना रिटर्न GSTR-9 भरना होता है। बड़ी कंपनियों के लिए यह अपेक्षाकृत आसान हो सकता है, लेकिन MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) के लिए यह एक बोझिल प्रक्रिया बन चुकी है। छोटे व्यापारियों को टैक्स विशेषज्ञों पर निर्भर रहना पड़ता है। हर महीने डेडलाइन की चिंता, पोर्टल की तकनीकी समस्याएं और जुर्माने का डर एक अतिरिक्त मानसिक दबाव बन गया है।

पोर्टल की तकनीकी समस्याएं

GSTN (Goods and Services Tax Network) पोर्टल को कई बार डाउनटाइम, स्लो स्पीड, और डेटा सिंकिंग की समस्या से जूझना पड़ा है। इससे समय पर रिटर्न दाखिल करना कठिन हो जाता है और जुर्माने की स्थिति बन जाती है।

QRMP स्कीम की सीमाएं

सरकार ने QRMP (Quarterly Return Monthly Payment) स्कीम लाकर राहत देने की कोशिश की है, लेकिन इसकी समझ, पात्रता की शर्तें और वास्तविक अनुपालन अब भी कठिन बना हुआ है।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC): परिकल्पना बनाम वास्तविकता

इनपुट टैक्स क्रेडिट वह व्यवस्था है जिसके अंतर्गत व्यापारी अपनी खरीद पर दिए गए GST को अपनी बिक्री पर चुकाए जाने वाले GST से समायोजित कर सकता है। यह व्यवस्था व्यापार के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकती थी, लेकिन वर्तमान में यह सबसे जटिल और विवादास्पद क्षेत्र बन गई है।

GSTR-2A/2B से जुड़ी जटिलता

इनपुट क्रेडिट का लाभ तभी मिलेगा जब सप्लायर ने GSTR-1 सही भरा हो और वह डेटा ग्राहक के GSTR-2A/2B में सही परिलक्षित हो। यह बात ग्राहकों के लिए नियंत्रण से बाहर है, फिर भी उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

10% या 5% नियम

सरकार ने समय-समय पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के लिए 10% और 5% की सीमाएं लगाई हैं (अगर सप्लायर का डेटा न हो तो भी कुछ सीमा तक क्रेडिट मिल सकता है)। इससे ईमानदार करदाताओं को दंडित करने जैसी स्थिति बनती है।

रिवर्स चार्ज मैकेनिज़्म की **समस्याएं**

कुछ मामलों में ग्राहक को खुद टैक्स भरना होता है, जैसे कि अनरजिस्टर्ड विक्रेता से खरीदारी या विशेष सेवाओं पर। यह भी ITC क्लेम में भ्रम और जटिलता उत्पन्न करता है।

व्यापारियों की समस्याएं: आंकड़ों और अनुभवों के साथ

MSMEs पर प्रभाव

एक सर्वे के अनुसार, देश के 70% से अधिक छोटे व्यापारी GST रिटर्न को भरने में सीए या GST कंसल्टेंट्स पर निर्भर हैं। इसका सीधा असर उनकी लागत, समय और मानसिक शांति पर पड़ता है।

नकदी प्रवाह पर असर

ITC न मिलने से व्यापारियों को बार-बार टैक्स भरना पड़ता है, जिससे उनकी वर्किंग कैपिटल पर नकारात्मक असर पड़ता है। विशेष रूप से नई कंपनियां और स्टार्टअप्स इससे बुरी तरह प्रभावित होती हैं।

लंबित रिफंड की समस्या

एक्सपोर्टर्स और इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर वाले उद्योगों में ITC रिफंड के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है। इससे व्यापार की गति धीमी होती है।

प्रस्तावित सुधार: सरलता की ओर कदम

रिटर्न प्रणाली का एकीकरण

वर्तमान में GSTR-1, 3B, 2A, 2B जैसी अलग-अलग रिपोर्ट्स हैं। सरकार को चाहिए कि वह एकीकृत रिटर्न सिस्टम लाए जिसमें एक ही फॉर्म से डेटा भरा जाए और पोर्टल स्वतः आवश्यक गणना कर दे।

ITC नियमों में सरलता

ITC पाने के लिए 2A/2B से मिलान अनिवार्यता हटाई जाए। व्यापारी द्वारा टैक्स चुकाने का प्रमाण पर्याप्त होना चाहिए। स्व-प्रमाणित इनवॉइस पर ITC क्लेम को स्वीकार किया जाना चाहिए।

पोर्टल में सुधार

पोर्टल की स्पीड, यूजर इंटरफेस और सर्वर क्षमता को बेहतर किया जाए।

मोबाइल ऐप के माध्यम से भी GST रिटर्न फाइलिंग की सुविधा विकसित की जाए।

पूर्व-भरे रिटर्न का विकल्प

आयकर विभाग की तरह ही GST में भी पूर्व-भरे हुए रिटर्न फॉर्म उपलब्ध करवाए जाएं, जिससे डेटा त्रुटि की संभावना कम हो और

समय बचे।

शिक्षा और प्रशिक्षण

सरकार को व्यापारियों के लिए GST पर विशेष वर्कशॉप, वेबिनार और हेल्पडेस्क की सुविधा बढ़ानी चाहिए, ताकि जागरूकता और आत्मनिर्भरता बढ़े।

राज्यों की भूमिका और संघवाद की परीक्षा

GST लागू होने से राज्यों के कराधान के अधिकार सीमित हुए हैं। ITC और रिटर्न को लेकर राज्यों और केंद्र के बीच अक्सर तालमेल की कमी दिखाई देती है। राज्यों को और अधिक तकनीकी सहयोग, ट्रेनिंग और पोर्टल एक्सेस देना ज़रूरी है ताकि उनका रोल प्रभावी बना रहे।

अंतरराष्ट्रीय तुलना: क्या भारत को सीखना चाहिए?

ऑस्ट्रेलिया मॉडल

ऑस्ट्रेलिया में GST प्रणाली अपेक्षाकृत सरल है। वहां ITC सीधे इनवॉइस के आधार पर मिल जाता है और रिटर्न फॉर्म भी सीमित हैं।

सिंगापुर का उदाहरण

सिंगापुर में साल में केवल एक बार GST रिटर्न दाखिल करना होता है और पोर्टल बेहद सरल है। भारत को इससे प्रेरणा लेकर जमीनी स्तर पर बदलाव लाने चाहिए।

GST का मूल उद्देश्य था कर प्रणाली को सरल बनाना, लेकिन वर्तमान में यह प्रणाली खासकर MSMEs के लिए एक दुविधा बन चुकी है। रिटर्न प्रणाली की जटिलता, इनपुट टैक्स क्रेडिट की अपारदर्शिता और तकनीकी कमियों ने इसके लाभ को सीमित कर दिया है। यदि सरकार सही दिशा में कदम उठाए — जैसे कि रिटर्न का सरलीकरण, ITC में पारदर्शिता, पोर्टल की मजबूती और व्यापारियों को सुविधा — तो यह प्रणाली वास्तव में देश की आर्थिक प्रगति में सहायक बन सकती है। "सरल टैक्स, बढ़े व्यापार" — इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही GST को उसकी वास्तविक सफलता की ओर ले जाया जा सकता है। 2017 में लागू हुई जीएसटी व्यवस्था का उद्देश्य था – "एक राष्ट्र, एक टैक्स" की अवधारणा को साकार करना। लेकिन MSMEs के लिए यह प्रणाली जटिलताओं का जाल बन गई है।

रिटर्न प्रणाली की चुनौतियाँ

व्यापारियों को हर महीने GSTR-1, GSTR-3B और सालाना GSTR-9 भरना पड़ता है। छोटे व्यापारियों को टैक्स विशेषज्ञों पर निर्भर रहना पड़ता है। साथ ही GST पोर्टल की तकनीकी समस्याएं जैसे स्लो स्पीड, डाउनटाइम, और डेटा सिंकिंग से जुर्माने की नौबत आती है। QRMP स्कीम भी अपेक्षित राहत नहीं दे पा रही।

इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की जटिलताएं

ITC का लाभ तभी मिलता है जब सप्लायर GSTR-1 सही भरे और वो डेटा ग्राहक के GSTR-2A/2B में आए। ग्राहक के लिए यह नियंत्रण से बाहर है, फिर भी उसे दंड भुगतना पड़ता है। साथ ही 10%/5% सीमा, रिवर्स चार्ज जैसे नियम व्यापार को बोझिल बना देते हैं।

व्यापारियों पर असर

अधिकांश छोटे व्यापारी रिटर्न फाइलिंग के लिए सीए पर निर्भर हैं, जिससे लागत और तनाव बढ़ता है। ITC न मिलने से नकदी प्रवाह प्रभावित होता है और रिफंड में देरी व्यापार की गति धीमी करती है।

आवश्यक सुधार

रिटर्न प्रणाली को एकीकृत और सरल बनाया जाए

ITC के लिए 2A/2B मिलान की अनिवार्यता हटे

GST पोर्टल को तकनीकी रूप से मजबूत किया जाए

पूर्व-भरे रिटर्न और मोबाइल ऐप की सुविधा हो

व्यापारियों के लिए प्रशिक्षण व सहयोग बढ़े

प्रकृति की जादुई रचनात्मकता: नॉर्वे की 'ड्रैगन की आंख' झील

-जब प्रकृति खुद बन जाती है कलाकार

धरती पर कई ऐसे चमत्कारी स्थल हैं जो इंसान की कल्पना से कहीं ज़्यादा सुंदर और रहस्यमय हैं। कभी-कभी ये नज़ारे इतने अद्भुत होते हैं कि आंखें यकीन नहीं कर पातीं कि ये असली हैं या किसी फ़िल्मी सेट का हिस्सा। नॉर्वे में स्थित 'ड्रैगन की आंख' (Dragon's Eye) ऐसा ही एक चमत्कारी प्राकृतिक दृश्य है। यह किसी पौराणिक कथा या जादुई लोककथा की कल्पना नहीं, बल्कि हकीकत है। यह लेख हमें उस रहस्यमयी झील की यात्रा पर ले जाएगा, जो मानो किसी ड्रैगन की आंख की तरह झलकती है, और साथ ही हमें प्रकृति की रचनात्मक शक्ति, भूगर्भीय घटनाओं और नॉर्वे की अद्वितीय भौगोलिक विशेषताओं से भी परिचित कराएगा।

ड्रैगन की आंख: एक झील जो बोलती है कहानियाँ

नॉर्वे के पश्चिमी भाग में स्थित एक छोटी सी मगर अत्यंत दर्शनीय झील का नाम है "Blåfjellvatnet" (ब्लाफ्येलवतनेट), जो स्थानीय भाषा में 'नीले पर्वत की झील' कहलाती है। यह झील नॉर्वे के हेल्गेलैंड क्षेत्र में स्थित है। इस झील का खास आकर्षण है इसकी सतह पर बनी एक रहस्यमय आकृति, जो दूर से देखने पर एक विशाल आंख की तरह दिखाई देती है — और वो भी किसी ड्रैगन की आंख जैसी। हरी, नीली, काली और ग्रे रंगों का मिश्रण, साथ में गोल घुमाव और केंद्र में गहराई — मिलकर ऐसा आभास देते हैं जैसे कोई प्राचीन ड्रैगन हमें ऊपर से देख रहा हो।

यह कैसे बना? वैज्ञानिक पहलू

यह नज़ारा जितना रहस्यमय लगता है, उतना ही वैज्ञानिक रूप से भी रोचक है। झील के इस अद्भुत दृश्य के बनने की मुख्य वजह है वहाँ मौजूद "सर्पेंटीनाइट" (Serpentinite) चट्टानें। सर्पेंटीनाइट एक प्रकार की चट्टान होती है जो पृथ्वी के अंदरूनी हिस्सों में उच्च तापमान और दबाव में बनती है। जब ये चट्टानें सतह पर आती हैं, तो इनमें उपस्थित मिनरल्स सूर्य की रोशनी और पानी के प्रभाव से अलग-अलग रंगों में चमकते हैं। नीला, हरा, गहरा काला और धूसर रंग — ये सभी मिलकर एक आंख जैसी बनावट दर्शाते हैं। साथ ही, बर्फ पिघलने और वर्षा जल के सतह पर जमा होने की प्रक्रिया झील की सतह को एक आयाम प्रदान करती है। गर्मियों में जब बर्फ पिघलती है, तो जल हल्का नीला हो जाता है। इस झील के केंद्र में स्थित गहराई और आसपास की गोलाकार चट्टानें मिलकर इसे 'ड्रैगन की आंख' का आकार देती हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और समय की ताक़त

इस प्राकृतिक रचना को देखकर एक बात साफ़ हो जाती है कि समय, धैर्य और प्रकृति का संयोजन मिलकर ऐसे दृश्य उत्पन्न करता है जो इंसानी कारीगरी को भी पीछे छोड़ दें। यह झील सालों से मौसम की मार, चट्टानों के क्षरण, पानी के बहाव और बर्फ के पिघलने जैसे परिवर्तनों से गुज़रती रही है। और उन्हीं प्रक्रियाओं का नतीजा है यह अद्वितीय दृश्य।

आस्था और लोककथाएं: जब विज्ञान से पहले था विश्वास

जहाँ एक ओर वैज्ञानिक इस दृश्य को भूगर्भीय प्रक्रियाओं का परिणाम मानते हैं, वहीं स्थानीय लोगों के लिए यह झील एक रहस्यमयी ताक़त का प्रतीक भी है। पुरानी नॉर्वेजियन लोककथाओं के अनुसार, यह झील एक पुराने 'ड्रैगन' की आंख है जो कभी इन पर्वतों की रक्षा करता था। जब वह मर गया, तो उसकी आंख यहीं रह गई, ताकि वो सदियों तक धरती की निगरानी कर सके। कुछ कहानियों में इसे जादुई झील कहा गया है जिसमें देखने वाले को भविष्य की झलक दिखती है। जबकि कुछ लोग मानते हैं कि जब कोई बड़ा प्राकृतिक संकट आने वाला होता है, तो इस झील का रंग बदल जाता है।

पर्यटन और आधुनिक आकर्षण

'ड्रैगन की आंख' अब एक पर्यटक आकर्षण बन चुकी है। एडवेंचर प्रेमियों, फोटोग्राफर्स, भूगोल के छात्रों और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह किसी खजाने से कम नहीं। यहां तक पहुंचना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि यह झील एक पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। ट्रेकिंग करनी पड़ती है, और मौसम का भी ध्यान रखना पड़ता है। लेकिन एक बार जब कोई वहां पहुंचता है और ऊपर से इस झील को देखता है — तो हर थकावट, हर चुनौती, हर बाधा छोटी लगने लगती है। ड्रोन फोटोग्राफी के ज़माने में अब इस झील की ऊँचाई से ली गई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और नेशनल जियोग्राफिक जैसी जगहों पर इसे 'पृथ्वी की सबसे जादुई आंख' कहा गया है।

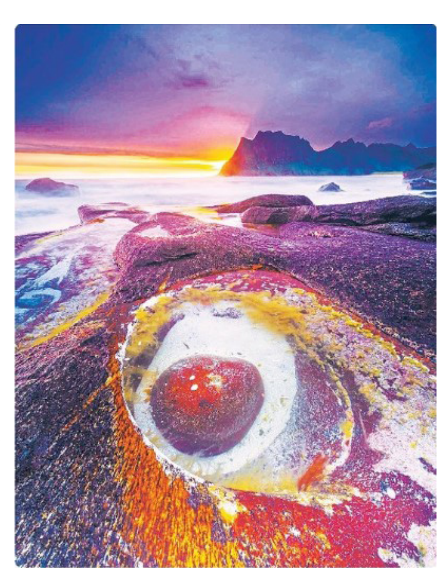

प्रकृति का संदेश: जादू केवल कल्पना में नहीं होता

'ड्रैगन की आंख' हमें यह याद दिलाती है कि जादू केवल कहानियों, उपन्यासों और फिल्मों में नहीं होता — असली जादू हमारी धरती की गोद में बसा है। यह झील एक प्रतीक है — प्रकृति की कला, विज्ञान की व्याख्या, इतिहास की गहराई और भावनाओं की ऊंचाई का। यह हमें सिखाती है कि अगर हम रुकें, देखें, समझें — तो धरती हमें रोज़ चौंकाती है।

पर्यावरणीय चेतावनी: इस आंख को रोने न देना

जहाँ एक ओर यह झील आज दुनिया भर के लोगों को आकर्षित कर रही है, वहीं दूसरी ओर इस पर खतरा भी मंडरा रहा है — और वह है पर्यावरणीय असंतुलन। जलवायु परिवर्तन, पर्यटन का अनियंत्रित विस्तार, प्लास्टिक और कूड़े का बढ़ता प्रभाव — ये सभी इस झील की सुंदरता को नुकसान पहुँचा सकते हैं। अगर समय रहते कदम न उठाए गए, तो यह 'ड्रैगन की आंख' एक दिन बंद हो सकती है — और वो भी हमेशा के लिए।

सरकार और समाज की ज़िम्मेदारी

नॉर्वे सरकार ने इस क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित कर रखा है। ट्रेकिंग के रास्तों पर साफ़ चेतावनियाँ दी गई हैं कि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाया जाए। स्थानीय समुदाय भी जागरूक है और पर्यटकों से अपील करता है कि वे इस झील को केवल देखने आएं, छेड़छाड़ या कूड़ा न करें। भारत जैसे देशों के लिए भी यह उदाहरण है कि प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा केवल सरकार की नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है। चाहे वह हिमालय की घाटियाँ हों या राजस्थान की रेगिस्तानी झीलें — हर जगह हमारा योगदान ज़रूरी है।

भारत में 'ड्रैगन की आंख' जैसी संरचनाएँ?

भारत में भले ही ठीक वैसी प्राकृतिक झील न हो जैसी नॉर्वे में है, लेकिन कई ऐसे स्थल हैं जो अद्भुत प्राकृतिक संरचनाओं से भरे पड़े हैं — जैसे: लोणार झील (महाराष्ट्र): एक उल्कापिंड के टकराव से बनी झील चिलिका झील (ओडिशा): भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील शिवमुग्गा की अग्निकुंड (कर्नाटक): ज्वलनशील गैसों से जलती ज़मीन ये सभी स्थल भी हमें यही संदेश देते हैं — प्रकृति कल्पना से कहीं आगे है।

हसरत मोहानी: "इन्कलाब ज़िंदाबाद" का नारा देने वाला आज़ादी का सच्चा दीवाना

-राजनीति की राह: उर्दू-ए-मुअल्ला से आज़ादी तक

हिंदुस्तान की आज़ादी की जद्दोजहद में कई नाम ऐसे हैं जो भले ही इतिहास की किताबों में उतनी प्रमुखता से दर्ज नहीं किए गए, मगर उनका योगदान बेमिसाल रहा है। ऐसा ही एक नाम है — हसरत मोहानी। वे न सिर्फ एक महान शायर थे, बल्कि आज़ादी की लड़ाई के उन गिने-चुने लोगों में से थे जिन्होंने कलम और क्रांति दोनों का बखूबी इस्तेमाल किया। हसरत मोहानी को आज भी सबसे ज़्यादा उस नारे के लिए याद किया जाता है जो आज़ादी की तहरीक का प्रतीक बन गया — "इन्कलाब ज़िंदाबाद!" यह नारा बाद में भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की आवाज़ बन गया, लेकिन इसकी उत्पत्ति हसरत मोहानी के ज़ेहन से हुई थी।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

हसरत मोहानी का असली नाम सैयद फ़ज़्लुल हसन था। इनका जन्म 1 जनवरी 1875 को उन्नाव ज़िले के मोहान कस्बे में एक शरीफ़ मुस्लिम परिवार में हुआ था। मोहान से जुड़े होने के कारण उन्होंने अपने नाम में "मोहानी" जोड़ा। उन्होंने शुरुआती तालीम अपने गांव से ली और बाद में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (तब का मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज) से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। यहीं से उनके अंदर सामाजिक चेतना, आज़ादी की ललक और अदबी समझ ने आकार लिया।

शायरी और अदब से ताल्लुक

हसरत मोहानी एक मशहूर उर्दू शायर थे। उनका शायरी में अंदाज़ रूमानी भी था और इंकलाबी भी। उन्होंने ग़ज़ल और नज़्म दोनों में हाथ आजमाया। उनकी सबसे मशहूर ग़ज़ल है: "चुपके चुपके रात दिन आँसू बहाना याद है" — जिसे बाद में कई गायकों ने गाया, मगर इसके पीछे छुपा दर्द, वतन से मोहब्बत और बेबसी का एहसास है। उनका शायराना तख़ल्लुस "हसरत" था, जिससे वे अदबी हल्क़े में पहचाने जाते थे। लेकिन यह अदब केवल इश्क़-मोहब्बत की बातें नहीं करता था, बल्कि उसमें साम्राज्यवाद के खिलाफ़ ज़बरदस्त आवाज़ भी थी।

राजनीतिक जीवन की शुरुआत

हसरत मोहानी ने 1903 में एक उर्दू पत्रिका 'उर्दू-ए-मुअल्ला' की शुरुआत की, जो जल्दी ही ब्रिटिश हुकूमत की आंख की किरकिरी बन गई। इसमें वे आज़ादी, मुस्लिम एकता, हिन्द-मुस्लिम भाईचारे और सामाजिक सुधारों पर खुलकर लिखते थे। उन्होंने 1907 में कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में भाग लिया और यहीं से उनके राजनीतिक जीवन की दिशा तय हो गई।

"इन्कलाब ज़िंदाबाद" का जन्म

1913 में उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से नारा दिया — "इन्कलाब ज़िंदाबाद"

जिसका अर्थ है — क्रांति अमर रहे।

यह नारा उस वक्त ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ़ खुले विद्रोह की मांग था। यह शब्द महज़ एक नारा नहीं, बल्कि लाखों हिंदुस्तानियों की उम्मीद और इरादा बन गया। बाद में भगत सिंह ने भी इसे अपनाया और ये नारा पूरी तहरीक-ए-आज़ादी का प्रतीक बन गया।

खिलाफ़त आंदोलन में भूमिका

1919 में जब अंग्रेज़ों ने तुर्क खलीफा की ताक़त को खत्म किया और मुसलमानों के धार्मिक प्रतीक को ठेस पहुंची, तो भारत में खिलाफ़त आंदोलन की शुरुआत हुई। हसरत मोहानी ने इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गांधी जी के साथ मिलकर हिन्द-मुस्लिम एकता का एक नया पैगाम दिया। उन्होंने खिलाफ़त आंदोलन को केवल मुस्लिम मुद्दा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन माना।

जेल की यातनाएं और प्रतिबंध

हसरत मोहानी को कई बार अंग्रेज़ हुकूमत ने गिरफ्तार किया। 1915 में उन्हें 'उर्दू-ए-मुअल्ला' में आज़ादी के विचार छापने के

आरोप में दो साल की सजा सुनाई गई। जेल में उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, भूखा रखा गया, कड़ाके की सर्दी में नंगे फर्श पर सुलाया गया। मगर उन्होंने कभी अपने विचार नहीं बदले। उनकी किताबें, अख़बार और लेख बार-बार जब्त किए गए, लेकिन वो डटे रहे।

भारत छोड़ो आंदोलन और बाद के साल

1930 के दशक में उन्होंने कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों से नाराज़ होकर स्वतंत्र रुख अपनाया। वे भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के भी हामी रहे लेकिन उनके विचार हमेशा तटस्थ और ईमानदार रहे। उन्होंने हमेशा मुस्लिम लीग की 'दो क़ौमी नज़रिये' का विरोध किया और भारत की साझी विरासत को बनाए रखने की पैरवी की। वे पाकिस्तान के विचार के ख़िलाफ़ थे और विभाजन के पक्ष में नहीं थे।

कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़ाव

हसरत मोहानी पहले मुस्लिम नेता थे जिन्होंने कम्युनिज्म की तरफ़ झुकाव दिखाया। उन्होंने मजदूरों, किसानों और ग़रीबों के अधिकारों के लिए आवाज़ बुलंद की। वो ऐसे पहले शख़्स थे जिन्होंने ब्रिटिश संसद में "पूर्ण स्वराज" यानी Complete Independence की मांग की — 1921 में, जो उस समय बहुत क्रांतिकारी विचार था।

गांधी जी से मतभेद, लेकिन सम्मान कायम

हसरत मोहानी और महात्मा गांधी के बीच कई मुद्दों पर मतभेद रहे। मसलन, जब गांधी जी ने "डोमिनियन स्टेटस" यानी अधिराज्य के तहत आज़ादी की बात की, तो हसरत मोहानी ने खुलकर इसका विरोध किया।

उनका मानना था कि "आज़ादी का मतलब अधूरी आज़ादी नहीं, बल्कि पूरी आज़ादी होना चाहिए।" हालांकि मतभेदों के बावजूद गांधी जी और मौलाना आज़ाद जैसे नेता हसरत मोहानी के देशभक्ति और ईमानदारी के कायल थे।

आज़ादी के बाद का रुख

1947 में जब देश का बंटवारा हुआ, तो हसरत मोहानी को भी पाकिस्तान जाने का न्यौता मिला, लेकिन उन्होंने भारत में ही रहने का फैसला किया। उनका मानना था कि भारत तमाम मज़हबों और तहज़ीबों की ज़मीन है और वे इसे छोड़कर नहीं जाएंगे। वे आज़ादी के बाद भी राज्यसभा के सदस्य बने और समाजवादी मूल्यों की वकालत करते रहे।

निधन

हसरत मोहानी का निधन 13 मई 1951 को लखनऊ में हुआ। उनकी मौत के बाद भी उनके विचार, उनका लिखा और उनका नारा "इन्कलाब ज़िंदाबाद" आज भी जिंदा है।

विरासत

"इन्कलाब ज़िंदाबाद" को आज भी आंदोलनों, विरोध-प्रदर्शनों और सामाजिक संघर्षों में गर्व से बोला जाता है।

राज्य सरकार 'विकास भी और विरासत भी' के मूलमंत्र के साथ आस्था धामों का कर रही कायाकल्प - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा हमारे जीवन को सार्थक और उत्कृष्ट बनाने की राह दिखाती है। इसका अनुसरण करने से जीवन कष्ट मुक्त होता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और संतों ने देश की संस्कृति व विचारों को समृद्ध किया है। वे जहां भी जाते हैं अपने सुविचारों के माध्यम से समाज में भाईचारा कायम करते हैं। सनातन संस्कृति संतों के कारण ही दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है।

शर्मा शनिवार को सलूम्बर जिले के केनर ग्राम स्थित धौलागढ़ धाम में 45 दिवसीय श्रावण कुंभ महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी संस्कृति और आस्था केन्द्रों का निरंतर उत्थान हो रहा है।

राज्य सरकार जनजातीय पर्यटन सर्किट करेगी विकसित- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के 'विकास भी और विरासत भी' के मूलमंत्र को आत्मसात करके प्रदेश के आस्था धामों का कायाकल्प करने का काम कर रही है। इसी दिशा में हमने बजट 2025-26 में जनजातीय आस्था के केंद्र त्रिपुरा सुंदरी, मानगढ़ धाम, बेणेश्वर धाम, सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृकुंडिया आदि को शामिल कर जनजातीय पर्यटन सर्किट विकसित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही पुष्कर अजमेर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर तथा खाटूश्याम जी मंदिर के विकास कार्य, सालासर बालाजी, तनोट माता, करणी माता मंदिर आदि स्थानों के लिए भी सुगम परिवहन हेतु कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में शामिल हुए राजस्थान के श्रद्धालुओं के लिए विशेष कैंप स्थापित कर निशुल्क भोजन, चिकित्सा, सुरक्षा एवं हेल्प डेस्क की व्यवस्था भी करवाई गई। शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष मानसून में राज्य के सभी बांध पूरी तरह भर गए थे और इस वर्ष

जुलाई माह में ही अधिकांश बांध भर चुके हैं। इस अच्छी बारिश से प्रदेश के किसानों का जीवन खुशहाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसान, गरीब, युवा और महिला के उत्थान से प्रदेश और देश भी विकसित होगा।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक जागरूकता की जगाई अलख- मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता की अलख जगाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी राजीविका के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। हमारी बेटियों के लिए निःशुल्क शिक्षा, आवास एवं परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब समाज में भाईचारा रखते हुए केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाएं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर मिशन 'हरियालो राजस्थान' शुरू किया। जिसके अंतर्गत पिछले वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए थे तथा इस वर्ष हम 10 करोड़ पौधारोपण करेंगे। हमारा लक्ष्य पांच वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की बीकानेर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की

-बारिश से क्षतिग्रस्त रास्तों को तत्काल चालू करवाएं - दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों को तत्काल दुरुस्त करवाने में निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को मौसम को देखते हुए फ़ील्ड में ऐक्टिव रहने और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा है कि अधिकारी यह सुनिश्चित करे की बारिश से कटाव से कोई मार्ग अवरुद्ध नहीं हो। इसके साथ ही सभी सरकारी भवनों की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश उन्होंने दिये। उन्होंने बजट 2024-25 की घोषणाओं के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने व बजट 2025-26 की घोषणाओं की तत्काल निविदा प्रक्रिया पूरी करवाकर काम चालू करवाने के निर्देश दिये है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को सचिवालय में आयोजित बीकानेर जोन की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने

बीकानेर जोन के अन्तर्गत शामिल गंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों की सड़कों व भवनों की प्रगति की समीक्षा की।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यों की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने बीकानेर जोन में चल रही एनएचएआई, एनएच, आरएसआरडीसी, राजस्थान स्टेट हाईवे आथोरिटी, पेचेबल व नॉन पेचेबल तथा मिसिंगलिंक सहित विभिन्न श्रेणी की सड़कों एवं भवनों की समीक्षा की।

इस दौरान राज्य मंत्री मंजू बाघमार एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, पीडब्ल्यूडी सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित मुख्यालय एवं संबंधित जिलों के अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूल मंत्र है - कुरैशी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर के असलम कुरैशी ने कहा कि आपसी प्रेम स्नेह भाईचारा बनाए रखें इसके बिना देश तरक्की नहीं कर सकता है यह शब्द कुरैशी ने अमानी शाह बाबा की दरगाह के परिसर में आयोजित गोठ में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए कहे।

कुरैशी ने कहा कि शिक्षा ही सर्वांगीण विकास का मूल मंत्र है और शिक्षा वह वृक्ष है जिसकी जड़े बहुत गहरी और फल बहुत मीठे होते हैं।

इसलिए अपने बच्चों को शिक्षित करें चाहे एक निवाला कम खा ले लेकिन बच्चों को जरूर तालीम दें। क्योंकि इंसान इल्म से ही मुस्तकबिल संवरता है इल्म के बिना जिंदगी अधूरी है। कुरैशी ने दीनी व दुनियावी इल्म दोनों को जरुरी बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति को शिक्षित होना जरूरी है क्योंकि शिक्षा हमें एक बेहतर इंसान बनने में मदद करती है। कुरैशी ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं।

अवैध गैस रिफिलिंग का भंडाफोड़, 85 सिलेंडर जप्त

-जिला कलक्टर के निर्देश पर कार्यालय, जिला रसद अधिकारी की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशों के अनुपालना में अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ जिला रसद अधिकारी की कार्रवाई लगातार जारी है।

राजधानी जयपुर में शनिवार को रसद विभाग ने अवैध गैस रिफिलिंग के विरुद्ध दो अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 85 गैस सिलेंडर, पांच गैस रिफिलिंग मोटर और दो वजनी कांटा मशीनें जब्त कीं। यह कार्रवाई रसद अधिकारी त्रिलोक चंद मीणा के नेतृत्व में प्रवर्तन अधिकारी सरिता यादव द्वारा की गई। पहली कार्रवाई जयपुर के गजसिंहपुरा क्षेत्र में की गई, जहां अवैध रूप से घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों से रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था। टीम ने मौके से 71 घरेलू सिलेंडर, 9 कमर्शियल सिलेंडर, चार रिफिलिंग मोटर और एक वजनी कांटा मशीन जब्त की। यह रिफिलिंग न केवल अवैध थी बल्कि अत्यंत खतरनाक भी, जो

स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकती थी। दूसरी कार्रवाई हसनपुरा क्षेत्र में की गई, जहां रिहायशी इलाके के भीतर ही अवैध रिफिलिंग की जा रही थी। यहां से पांच घरेलू सिलेंडर, एक रिफिलिंग मोटर और एक वजनी कांटा मशीन जब्त की गई। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्य पूर्णतः गैरकानूनी था और सिलेंडरों के फटने जैसी दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है।

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि दोनों ही स्थानों पर बिना किसी अधिकृत अनुमति के गैस रिफिलिंग की जा रही थी, जो जन सुरक्षा के लिए अत्यंत घातक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। रसद अधिकारी त्रिलोक चंद मीणा ने स्पष्ट किया कि विभाग इस तरह के अवैध रैकेट को बर्दाश्त नहीं करेगा और भविष्य में भी लगातार औचक निरीक्षण कर इस प्रकार की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाएगा। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध गैस रिफिलिंग अथवा गैस सिलेंडरों के संदिग्ध उपयोग की जानकारी मिले, तो उसकी सूचना तुरंत विभाग या प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके और किसी भी संभावित हादसे को रोका जा सके।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को जारी की 20 वीं किस्त

-जयपुर के 3 लाख 64 हजार किसानों को हस्तांतरित हुई 72 करोड़ 80 लाख की राशि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अन्तर्गत शनिवार को बनोली सेवापुरी वाराणसी उत्तर प्रदेश में आयोजित 'पीएम किसान उत्सव दिवस' पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के किसानो को 20 वी किस्त की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। किसान सम्मान निधि के बांसवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीसी के माध्यम से प्रदेश के किसानों से सीधे जुड़े। वीसी के माध्यम से यह कार्यक्रम जयपुर में माननीय सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की अध्यक्षता में जिला परिषद जयपुर के सभागार में आयोजित हुआ। जिसमें जयपुर जिले के किसानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री व माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के कारण प्रसन्न पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो 20500 करोड़ की राशि 9.7 करोड़ किसानों के खातों में सीधे राशि हस्तांतरित की हैं उसे किसान अपनी जरूरत के हिसाब से उन्नत फसल के लिए बीज-खाद फसल बीमा आदि पर खर्च करेगा और अपने परिवार को खुशहाल बनाएगा। जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा ने बताया कि 'पीएम किसान उत्सव दिवस' के आयोजन के पीछे भारत के माननीय प्रधानमंत्री व राजस्थान के मुख्यमंत्री का क्रमशः उद्देश्य देश और प्रदेश को 2047 तक विकसित देश और प्रदेश बनाना हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने जिले के करीब 3 लाख 64 हजार किसानों करीब 72 करोड़ 80 लाख राशि का हस्तांतरण किया है उससे जिले के किसान उन्नत फसल उगाकर अपने परिवार और जिले में खुशहाली लाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार प्रदेश के मुख्यमंत्री भी किसानों की समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक पात्र किसान को 3000 रू. की राशि साल में सीधे ही उनके खातों में हस्तांतरित कर रहे हैं। इससे निश्चित तौर पर प्रदेश के किसानों में उत्सव का माहौल है और उनके चेहरों पर खुशी आई है। मुख्य कार्यकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा ने सभी उपस्थित किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर उत्तर जयपुर सहित जयपुर के किसान उपस्थित रहे।

रेडियन्स पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोहरपुर के समीप शाहपुरा देवन रोड पर रेडियन्स पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने स्वच्छ भारत, पर्यावरण, डिजिटल इंडिया, व राष्ट्रप्रेम जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता तीन वर्गों—जूनियर, मिडिल और सीनियर—में आयोजित की गई। जूनियर वर्ग में रूही प्रथम, इशिका और वेदांशी द्वितीय, तथा हर्षिता तृतीय रहीं। मिडिल वर्ग में परिधि व हेजल ने पहला, नंदीश व आयुष ने दूसरा, तथा साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में तन्वी व राजीव ने प्रथम, ईशांत व जाह्नवी ने द्वितीय तथा शैलेश व तनिष्का ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे और विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जल संसाधन मंत्री ने पुष्कर राजकीय महाविद्यालय में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

-वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत ने शनिवार को अजमेर जिला स्थित राजकीय महाविद्यालय पुष्कर का निरीक्षण कर महाविद्यालय परिसर में संचालित गतिविधियों व व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय में कराए कार्यों, कॉलेज के पीछे की चारदीवारी, परिसर में इंटरलाक्स टाईल, सड़क निर्माण, कंप्यूटर एवं ट्यूबवेल की स्थिति का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के उपरांत मंत्री रावत ने महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने आह्वान किया कि वे "हरित पुष्कर" के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

रावत ने महाविद्यालय को बजट में दिलाई राशि 7.50 लाख के बैडमिंटन कोर्ट निर्माण का कार्य शीघ्र कराने के निर्देश प्रदान किये। साथ ही पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करते हुए पुस्तक संख्या, छात्र उपयोग, ई-लाइब्रेरी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कॉलेज प्रशासन को कालेज विकास व संसाधनो और सुदृढ़ करने के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही।

रावत ने कहा कि पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुदृढ़ आधारभूत ढांचा और हरित वातावरण की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्ध है, और इस दिशा में निरंतर सकारात्मक प्रयास जारी रहेंगे।

धुनों की जुगलबंदी ने बिखेरा जादू तो भरतनाट्यम ने बांधा समां, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

- जवाहर कला केंद्र में दो दिवसीय मेघ उत्सव का हुआ रंगारंग आगाज़

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर की सांस्कृतिक फिज़ा शनिवार की शाम सुरों, तालों और नृत्य की मोहक प्रस्तुतियों से सराबोर हो उठी। जवाहर कला केंद्र में डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय मेघ उत्सव की रंगारंग शुरुआत ने श्रोताओं व दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अदनान ग्रुप की प्रस्तुति से हुआ, जिसमें सितार, वायलिन और तबले की जुगलबंदी ने श्रोताओं को संगीत के एक नए अनुभव से जोड़ा। अदनान खान और उनके साथी कलाकारों ने राग मेघ और राग मल्हार जैसे मानसूनी रागों को फ्यूजन शैली में प्रस्तुत किया। शास्त्रीय परंपरा की गहराई और आधुनिक ध्वनियों की ऊर्जावान गति का यह संयोजन ऐसा प्रभाव उत्पन्न कर गया कि दर्शकों की तालियों ने सभागार की गूंज को स्वर लहरियों में बदल दिया। खास बात यह रही कि अदनान ग्रुप ने अपने वादन में लोक धुनों और राग आधारित प्रयोगों का ऐसा सम्मिलन किया जिसने युवा श्रोताओं को भी जोड़कर रखा।

इसके पश्चात प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना कनक सुधाकर और उनकी नृत्यशिक्षित टीम ने "त्रिदेवी" प्रस्तुति द्वारा भूमि देवी,

पार्वती देवी तथा लक्ष्मी देवी के चित्रण द्वारा नारी के सशक्त स्वरूप पर पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। भरतनाट्यम की पारंपरिक मुद्राओं, नयनाभिराम अभिनय और सौम्य गतियों के माध्यम से उन्होंने देवी के नव रूप की प्रतीकात्मकता, नायिका की शक्ति, और स्त्री के सौंदर्य को अत्यंत सजीव रूप में मंच पर उतार दिया। रस, भाव, ताल और नृत्य की शुद्धता ने दर्शकों को एक आध्यात्मिक अनुभूति करवाई, जिसे सभी ने खड़े होकर सराहा।

इस अवसर पर पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन का उद्घाटन डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा (आईएएस) की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने बताया कि "मेघ उत्सव केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानसून की रचनात्मकता, सौंदर्य और सांस्कृतिक चेतना को लोक व शास्त्रीय कलाओं के माध्यम से जीवंत करने का प्रयास है। यह मंच परंपरा और आधुनिकता के संगम का प्रतीक बन रहा है।"

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तरी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (पटियाला), पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (उदयपुर) तथा जवाहर कला केंद्र एवं राजीविका के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन में समाज, प्रशासन, राजनीति, मीडिया, शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बड़ी संख्या में कला प्रेमियों की उपस्थिति रही।

रविवार, 3 अगस्त को समापन अवसर पर विश्वविख्यात लोक गायक मूरलाला मारवाड़ा की कबीर व सूफी गायन प्रस्तुति होगी, जिसमें उनके स्वरों के माध्यम से आत्मिक गहराई, दर्शन की ऊंचाई और संगीत की माधुर्यता का संगम श्रोताओं को एक अनूठी अनुभूति प्रदान करेगा।

प्रदेश भर से जयपुर आए आयुर्वेद योग प्रशिक्षकों ने स्थाई पदसर्जित की मांग की

-आगामी 10 दिन में मांगों पर सरकार की ओर से सकारात्मक कार्यवाही नहीं तो बैठेंगे भूख हड़ताल पर - डॉ. बी. एल. कुमावत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ की ओर से प्रदेश भर से जयपुर आए संगठन के जिलाध्यक्ष एवं योग प्रशिक्षकों ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयुर्वेद औषधालय पर कार्यरत पार्ट टाइम योग प्रशिक्षकों के फुल टाइम स्थाई पदसर्जित एवं वेतन वृद्धि की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया। अखिल राजस्थान योग प्रशिक्षक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बी. एल. कुमावत ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत जुलाई 2021 में राजकीय आयुर्वेद औषधालय पर पार्ट टाइम महिला योग प्रशिक्षक 5000 एवं पुरुष योग प्रशिक्षक 8000 मानदेय पर नियुक्त किए गए। वर्तमान में कार्यरत 3500 महिला एवं पुरुष योग प्रशिक्षक औषधालय, पंचायत स्तर एवं विद्यालय स्तर पर प्रतिदिन योग के द्वारा निरोगी स्वस्थ लाभ दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुर्वेद योग प्रशिक्षकों की कड़ी मेहनत से पूरे भारत में संगम पोर्टल पर सर्वाधिक जगह योग कराने के लिए राजस्थान प्रथम स्थान पर आया है। ये हमारे लिए गौरव की बात है। संगठन ने 4 साल में अनेक बार सरकार के विधायक, मंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री तक संगठन के माध्यम से मांगे पहुंचाने के लिए सैकड़ों की तादाद में योग प्रशिक्षकों ने अपनी बात पहुंचाई है। 8 जुलाई 2025 को शहीद स्मारक जयपुर में लगभग 1300 योग प्रशिक्षकों ने धरना प्रदर्शन भी दिया। सरकार की ओर से 10 दिन का समय दिया गया लेकिन महीना बीतने को आया अब तक सरकार की ओर से कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई। जबकि राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों जैसे उत्तरप्रदेश, हरियाणा, बिहार, नई दिल्ली ने योग प्रशिक्षकों के लिए स्वयं की नीति बनाकर योग प्रशिक्षकों फुल टाइम करके 25 से 30 हजार रुपए

प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। जबकि राजस्थान में 5 हजार व 8 हजार अल्प मानदेय हैं जिससे योग प्रशिक्षकों का भरण पोषण तो दूर की बात आने जाने का खर्चा तक नहीं निकल पा रहा है।

अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी:- महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बी. एल. कुमावत ने सभी जिलाध्यक्ष की सहमति से सरकार को चेतावनी दी है कि आने वाले 10 दिन में योग प्रशिक्षकों की मांगों को नहीं माना एवं उस पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई तो संगठन के माध्यम से संपूर्ण राजस्थान के योग प्रशिक्षक प्रशासन से अनुमति लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त जारी की गई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार की फ्लेगशिप योजना "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना" अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज वाराणसी, उत्तरप्रदेश में आयोजित "पीएम-किसान उत्सव दिवस'- के अवसर पर 20वीं किश्त जारी की गई। जिसके तहत देशभर में 9 करोड 70 लाख से अधिक किसानों को रूपये 20,500 करोड की सम्मान राशि का हस्तांतरण डीबीटी के माध्यम से बैंक खातों में अंतरित की गई। राज्य स्तर पर बांसवाडा से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में कार्यक्रम किया गया। जिले के पात्र किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त का लाभ प्राप्त हुआ। जिला स्तर पर राजकीय महाविद्यालय, सिरोही के सेमिनार हॉल में प्रदेश के ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद लुम्बाराम चौधरी, पिंडवाडा- आबू विधायक समाराम

गरासिया, जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित, रक्षा भंडारी, जिला कलक्टर अल्पा चौधरी, सिरोही प्रधान हंसमुख कुमार जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के लाभार्थियों को किसान सम्मान निधि की राशि का हस्तांतरण किया गया।

एयू बैंक द्वारा स्कूली बच्चों को बैग वितरण किए गए

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। एयू बैंक टीम द्वारा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, खोरालाड़खानी में गरीब और जरूरत मंद परिवारों की 25 छात्र छात्राओं को स्कूल बैग वितरण किए गए। बैग पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे, वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष सिंह कपूरिया ने गरीब छात्र -छात्राओं के लिए इस अनूठी पहल के लिए एयू बैंक का आभार जताया। इस अवसर पर एयू बैंक के ब्रांच बिजनेस मैनेजर इस्माइल मंसूरी ने जानकारी देते हुए बताया कि एयू बैंक के स्वदेश बैंकिंग हेड सुल्तान सिंह पलसानिया के सानिध्य में सदैव विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करता रहा है। इस दौरान मदन

लाल यादव,भुरा मल, जसवंत सिंह सहित स्टाफ गण मौजूद रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड हाउस	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा प्रदेशभर में 10 अगस्त से निकालेगी तिरंगा यात्रा- मदन राठौड़

-तिरंगा यात्रा को लेकर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी के नेतृत्व में 4 सदस्यी प्रदेश स्तरीय टोली की हुई घोषणा

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश स्तरीय "तिरंगा यात्रा" के आयोजन की घोषणा की। तिरंगा यात्रा 10 अगस्त से 14 अगस्त 2025 तक पूरे राजस्थान में मंडल और जिला स्तर पर निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को सशक्त करना और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को स्मरण करना है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए प्रदेश स्तरीय टोली का गठन भी किया है। इस टोली में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी को संयोजक तथा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र बोहरा तथा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी को सदस्य बनाया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा हर कार्यकर्ता के लिए गर्व और सेवा का अवसर है। यह आयोजन पूरे प्रदेश में एक जनआंदोलन का रूप लेगा और भाजपा की राष्ट्रनिष्ठ भावना को जन-जन तक पहुँचाएगा। प्रदेश के सभी जिलों में कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे और तिरंगे के सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी, भू अभिलेखागार हॉल में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

-कृषि विभाग ने गुलाबी सुंडी प्रबंधन को लेकर किया जागरुक, नि:शुल्क बांटे फेरोमोन ट्रैप

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त राष्ट्र को समर्पित की। जहां से देश के 9.70 करोड़ पात्र किसानों के बैंक खातों में 20 हजार 500 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी से हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर जिले में भी जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन भू अभिलेख हॉल में किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संबोधन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रसारित किया गया, जिसे जिले के सैकड़ों किसानों ने लाइव देखा। इस दौरान जिले के किसानों को योजना की किस्त उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई और लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जिले के 2,09,929 लाभार्थियों के खातों में 41 करोड़ 98 लाख 58 हजार रुपए की राशि हस्तांतरित की गई है। इस मौके पर कृषि विभाग के सहायक निदेशक बलकरण सिंह ने कॉटन में गुलाबी सुंडी के प्रकोप के प्रबन्ध के लिए फेरोमोन ट्रैप के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा किसानों को 100 से अधिक फेरोमोन ट्रैप नि:शुल्क वितरित किए गए। विधायक संजीव बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो 20500 करोड़ की राशि 9.7 करोड़ किसानों के खातों में सीधे राशि हस्तांतरित की है, उसे किसान अपनी जरूरत के हिसाब से उन्नत फसल के लिए बीज-खाद फसल बीमा आदि पर खर्च कर सकेंगे। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री ने जिले के करीब 2.10 लाख किसानों को करीब 42 करोड़ रुपए राशि का हस्तांतरण किया है, उससे जिले के किसान उन्नत फसल उगाकर अपने परिवार और जिले में खुशहाली लाएंगे। विधायक ने बताया कि इसमें नोहर के 48 हजार और भादरा के 47 हजार से अधिक किसान लाभान्वित हुए है। उन्होने बताया कि इसी प्रकार प्रदेश के मुख्यमंत्री भी किसानों की समृद्धि के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक पात्र किसान को 3000 रुपए की राशि साल मे सीधे ही उनके खातों में हस्तांतरित कर रहे हैं। इससे निश्चित तौर पर प्रदेश के किसानों में उत्सव का माहौल है और उनके चेहरों पर खुशी आई है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, भादरा विधायक संजीव बेनीवाल, पीलीबंगा पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, संगरिया पूर्व विधायक गुरदीप शाहपीनी, जनप्रतिनिधि अमित सहु, एडीएम उम्मेदीलाल मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनेश तंवर, केंद्रीय सहकारी बैंक के मुख्य प्रबंधक नरेश शुक्ला, एसडीएम मांगीलाल, एडवोकेट संजय शर्मा, कृषि सहायक निदेशक बलकरण सिंह, शैलेन्द्र गुप्ता, राजेंद्र लदोईया सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और किसान मौजूद रहें।

राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से

-सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का होगा आयोजन- गीतांजली हॉस्पिटल

उदयपुर,(रॉयल पत्रिका)। सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता लाने के उद्देश्य से गीतांजली हॉस्पिटल आगामी 5 अगस्त 2025 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। "रोड सेफ्टी अवेयरनेस प्रोग्राम" नामक यह आयोजन राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से संपन्न होगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे गीतांजली हॉस्पिटल के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम, उदयपुर में आयोजित किया जाएगा।कार्यक्रम के अंतर्गत "हेलमेट डे" मनाया जाएगा और "गुड समेरिटन अवॉर्ड" प्रदान किए जाएंगे। यह पुरस्कार उन नागरिकों को सम्मानित करने हेतु दिए जाएंगे, जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के समय पीड़ितों की सहायता कर मानवीयता और जागरूक नागरिक का परिचय दिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य हेलमेट पहनने की अनिवार्यता और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर जनमानस को जागरूक करना है। गीतांजली हॉस्पिटल में इस पहल में हॉस्पिटल पार्टनर के रूप में जुड़ा है, जो यह दर्शाता है कि चिकित्सा संस्थान अब सामाजिक जिम्मेदारियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। कार्यक्रम में शहर के कई प्रमुख स्कूल, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। आयोजन से यह उम्मीद की जा रही है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और लोग पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएंगे।

गीतांजली हॉस्पिटल के एक्सपर्ट ने महिलाओं को उनकी सेहत के लिए किया जागरुक

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। लहरिया उत्सव के अवसर पर इस वर्ष रंगों के साथ स्वास्थ्य का संग देखने को मिला। नाथद्वारा स्थित स्टेचू ऑफ़ बिलीफ पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में, महिलाओं के लिए एक हेल्थ अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर की ओर से प्रसूति व स्त्री रोग विशेषज्ञ और एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. दिव्या चौधरी ने हिस्सा लिया।

डॉ. दिव्या चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को माहवारी से जुड़ी समस्याओं, PCOD/PCOS और पेप स्मीयर टेस्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में युवतियों और महिलाओं में पीरियड्स अनियमित होना, अत्यधिक रक्तस्राव, दर्द या हार्मोनल असंतुलन आम समस्या बन चुकी है, लेकिन अधिकांश महिलाएं इन्हें नजरअंदाज कर देती हैं। यदि समय रहते इनका निदान और उपचार न किया जाए, तो ये गंभीर रूप ले सकती हैं।साथ ही, डॉ. दिव्या ने पेप स्मीयर टेस्ट की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए बताया कि यह एक सरल जांच है, जो गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) के कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करने में सहायक होती है। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे 21 वर्ष की आयु के बाद नियमित रूप से यह जांच कराएं।

इस अवसर पर मीराज द्वारा आयोजित लहरिया उत्सव में प्रसिद्ध अभिनेत्री स्मिता बंसल ने भी भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और भी बढ़ गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया पोशाक में भाग लेकर ना सिर्फ उत्सव का आनंद लिया, बल्कि अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी हुईं।

गीतांजली हॉस्पिटल इस कार्यक्रम के माध्यम से महिला स्वास्थ्य और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश देने में सफल रहा। भविष्य में भी गीतांजली हॉस्पिटल इस प्रकार के आयोजन कर समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हजरत दीवाना शाह के उर्स में संदल पेश करने की रस्म अदा

मोहम्मद यासीन

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन रोजा उर्स मे संदल पेश करने की रस्म अदा। रविवार को कुल की फातिहा के साथ होगा उर्स सम्पन्न। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार शुक्रवार बाद नमाज़ ईशा के महफिले मिलाद के बाद महफिले समा का प्राग्राम हुआ जिसमे दुर-दुर से आए हुए 31 कव्वाल पार्टियो ने अपने-अपने कलाम पेश कर दाद बटोरी और आशिके दीवाना ने दिल खोल कर इनाम दिया। बाबा हुजूर के उर्स मे देश के कौने-कौने से जायरीन की आवक हो रही है। जब मेहमानाने दीवान पिया को 70 फिट उंचा बुलन्द दरवाजा दूर से जगमगाता हुआ दिखाई देता है तो दिल को सुकून मयस्सर होता है, हर तरफ दीवाना-दीवाना की सदाऐ, आशिके दीवाना की लंगरखाने एवं दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे, धूणा मे मस्त मलंग, औलिया मस्जिद मे इबादतो रियाजत मे मशकूल दीवाने, आयशा मस्जिद मे इबादत मे मसरूफ मस्तुरात, मैला ग्राउण्ड मे खरीदारो की भीड तो झूला-चकरी, डोलर व खिलोने की दूकानो पर बच्चो के साथ बडो का हुजूम, खुशबू से महकता हुवा आस्ताना ए आलिया मे हर शख्स अदब से चादर, इत्र, फूल पेश कर रो-रो कर अपना दुखडा बाबा को सुनाता हुआ और यह दिल मे है कि मैं इन्हे नही देख रहा हूँ मगर यह तो मुझे देख रहे है। यह बाबा हुजूर के 84वें उर्स का हसीन मंजर। दरगाह वक्फ कमेटी के सदर अनवर अहमद छीपा के अनुसार रविवार प्रातः बाद नमाज़ फज़र के देग का खाना तकसीम होगा। कुल की महफिल 08:00 बजे शुरू होगी जोहर की अज़ान से पहले कुल की फातिहा के साथ उर्स सम्पन्न होगे व सोमवार को मुख्य मज़ार के पट आम जायरीन के दर्शन हेतु खोले जायेगें। आम जायरीन के दर्शन हेतु साल मे एक बार ही यह पट खोले जाते है। देग:- 6 क्ंविटल चावल, 6 क्ंविटल शक्कर, 1म2 टीन देशी घी, 1.5 क्टिल सुखा मेवा सभी एक साथ देग मे डालकर पकाए जाते है, दरगाह शरीफ पर ये देग साल मे दो बार बनाई जाती है, (1) 8 सफर (2) 12 रबिउलअव्वल

भारी बारिश को लेकर प्रशासन सतर्क, जर्जर भवनों और जलभराव पर सख्त निगरानी

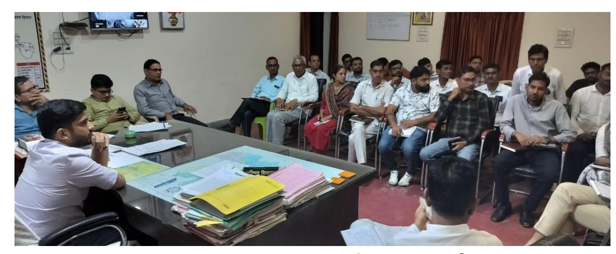

भादरा, (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। जलभराव की स्थिति से निपटने को लेकर उपखंड कार्यालय में शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपखंड अधिकारी कल्पित श्योराण ने की, जिसमें विधायक संजीव बेनीवाल सहित तहसीलदार, पंचायत समिति विकास अधिकारी, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी, पीएचईडी, सिंचाई विभाग, जेडीवीवीएनएल सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण दल गठित, खतरनाक भवनों पर लगे संकेतक

बैठक में उपखंड क्षेत्र के सरकारी और निजी भवनों की स्थिति की समीक्षा की गई। उपखंड अधिकारी ने निरीक्षण दल गठित कर भवनों का भौतिक निरीक्षण करवाया। निरीक्षण के बाद जर्जर भवनों पर चेतावनी संकेतक लगाए गए। साथ ही जलभराव वाले स्थलों की सूची तैयार कर जरूरी स्थानों पर भी संकेतक लगवाए गए। इससे आमजन को सावधानी बरतने में मदद मिलेगी और प्रशासन समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित कर सकेगा।

शिवपुराबास व मोची मोहल्ले में बोरिंग, रिडकोर से भी समन्वय

शहरी क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों जैसे शिवपुराबास, अंबेडकर चौक के पास मोची मोहल्ला और राजकीय चिकित्सालय के पास बोरिंग कुओं की स्थापना के निर्देश दिए गए हैं। मोती पैलेस के पास जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर रिडकोर कंपनी से संपर्क कर पानी निकासी के लिए समन्वय किया गया है। वहीं, जिन स्कूल भवनों के ऊपर से बिजली लाइन गुजर रही है, वहां लाइन शिफ्ट करने और ट्रांसफॉर्मर के चारों ओर सुरक्षा दीवार निर्माण के निर्देश दिए गए हैं।

शहरी-ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जलनिकासी की पुख्ता व्यवस्था के निर्देश

बैठक में नगरपालिका और पंचायत समिति के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जलभराव वाले स्थलों की लगातार सफाई सुनिश्चित करें। तालाब, जोहड़ जैसे स्थलों पर समय-समय पर सफाई करवाई जाए। इसके अलावा जल निकासी के लिए वॉटर पंप और जनरेटर की मदद से पानी हटाने की योजना भी बनाई गई है। जर्जर भवनों की सूची बनाकर उन पर चेतावनी चिन्ह लगाए जाए, ताकि किसी भी दुर्घटना की आशंका से पहले ही निपटा जा सके।

चूरू में बनेगी फोर लेन रिंग रोड जल्द मिलेगी वित्तीय स्वीकृति

-प्रेस वार्ता कर कहा विधायक हरलाल सहारण ने

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के निवास पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि चूरू के चहुमुखी विकास के लिए तथा शहर की समस्याओं के निदान के लिए बजट घोषणा के अनुसार सिवरेज प्रोजेक्ट - बजट घोषणा 2025-28 के अमृत 200 के अन्तर्गत चूरू शहर में सिवरेज लाईन, अतिरिक्त एस.टी.पी. निर्माण शोधित पानी का पुर्नउपयोग कार्य का प्रोजेक्ट लागत (रख-रखाव सहित) राशि 89.72 की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा माह जून 2025 में जारी की गई है। इसमें चूरू शहर में सिवरेज से शेष रहे भाग में सिवरेज लाईन डालने तथा अग्रसेन नगर एस.टी.पी. के पास एक अतिरिक्त यूनिट स्थापित करने व सिवरेज परिशोधित पानी के रियूज शामिल है। साथ ही सहारण ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम के लिए चूरू शहर में बरसात के समय जल भराय की विकट समस्या रहती है, जल भराव की समस्या से निजात पाने के लिए शहर में जल भराव स्थल वार्ड नं. 35. 36. सैनिक बस्ती, डाबला रोड़, जयपुर पुलिया ताजूशाह तकिया सहित अन्य जलभराव स्थल जहां बरसात के समय पानी एकत्रित होता है। बजट घोषणा 2025-26 के अनुसार ड्रेनेज प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जल भराव स्थल पर पूर्व से निर्मित डिग्गीयों को हटवाकर उच्च क्षमता के पम्पिग स्टेशन निर्माण व नवीन पाईप लाईन डालने का कार्य करवाने के लिए चूरू नगरपरिषद् के स्तर से विस्तृत डीपीआर तैयार करवाने की कार्यवाही की जा रही है। ड्रेनेज प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार होते ही इसे राज्य सरकार के स्तर पर इस प्रोजेक्ट को स्वीकृत करवाया जायेगा। इसके पश्चात शहर में जल भराव की समस्या से शहरवासीयों को निजात मिलेगी ।साथ ही चूरू में फोरलेन रिंग रोड बनाने हेतु हाल ही में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की जिससे उन्होंने आश्वासन दिया कि कुछ समय में ही इसकी डीपीआर तैयार कर वित्तीय स्वीकृति जारी की जाएगी जिससे चूरू शहर के लिए एक और सौगात मिलेगी भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला ,भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ,नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल , ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत धर्मेंद्र राकसिया ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उपजिला प्रमुख महेंद्र न्यौल जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा जिला मीडिया सह संयोजक राजीव शर्मा नीरज कुमार सोशल मीडिया सहसंयोजक सुरेश मिश्रा मोहनलाल गढ़वाल आदि उपस्थित थे।

आकांक्षा हाट में डिजिटल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी एडिटिंग का दिया प्रशिक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के राजगढ़ ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित हो रहे आकांक्षा हाट में शनिवार को राजीविका महिलाओं को डिजीटल फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी का प्रशिक्षण दिया गया। डीपीएम दुर्गा देवी ढाका ने बताया कि आकांक्षा हाट 06 अगस्त, 2025 तक चलेगा। आंकाक्षा हाट में आमजन से मेले को लेकर अत्यंत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए हर्बल साबुन, सुरमा, पंखियां, आसन-दरियां, अचार, अगरबत्ती, लोहे के बर्तन, बड़ी, वुडन हैंडीक्राफ्ट आइटम्स आदि हस्तनिर्मित उत्पादों आकर्षण का केन्द्र हैं।

उन्होंने बताया कि शनिवार को आर्यन द्वारा डिजिटल फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी एडिटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने यह बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को किस प्रकार उत्पाद की ब्रांडिंग एवं बिक्री के लिए प्रभावी रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। यह प्रशिक्षण उपस्थित महिलाओं एवं कारीगरों के लिए उनके उत्पादों के विक्रय व मार्केटिंग में अत्यंत उपयोगी साबित होगा। इस दौरान डीटीई रमेश कुमार शर्मा, कृष्ण भाकर, सुरेन्द्र पूनिया सहित राजीविका स्टाफ एवं आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का सवाई आगमन पर भाजपाइयों ने किया अभिनंदन

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा आज निजी प्रवास पर सवाई माधोपुर दौरे पर रहे, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद का भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियो ने कुस्तला बॉर्डर पर उनका त्रिनेत्र गणेश की तस्वीर भेट कर अभिनंदन किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द के साथ खंडार के पूर्व विधायक हरिनारायण बैरवा की धर्मपत्नी के निधन पर तीये की बैठक में पहुंचकर शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेशचंद जैन, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, मुकेश शर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

कुल्लू वाली माता जी रेनवाल धाम में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर/किशनगढ़ रेनवाल,(रॉयल पत्रिका)। रेनवाल शहर के कुल्लू वाली माताजी मंदिर रेनवाल धाम में श्रको 19वीं विशाल भजन संध्या एवं भंडारा आयोजन हुआ मुख्य पुजारी नाथूराम ने बताया कि श्रावण माह शुक्ल सप्तमी को को मां के दरबार की फूलों से सजावट कर भव्य श्रृंगार किया गया एवं भजन संध्या एवं शुक्रवार हवन, मंत्रोचारण के साथ पूर्णाहुति,महाआरती और भण्डारा का आयोजन हुआ जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी प्राप्त की श्रद्धालुओं ने दर्शन कर खुशहाली और समृद्धि की कामना की इस अवसर पर जसवंत पुजारी, पूर्व पार्षद सुनील सांखला, राजेंद्र प्रसाद चेतीवाल, शिवप्रकाश यादव, मोहन कुमावत, भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार, मोती सांखला, गिरधारी सोनी, गिरधारी लाल सांखला, संदीप सांखला, अजय जोगी, गिरधारी सोनी, डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सांखला, गिरधारी, सेलिना सामरिंया, किराया सामरिंया राजोरा, दिनेश शर्मा, राजू स्वामी, अशोक प्रजापत, राकेश प्रजापत, हितेंद्र सांखला, अनीता खूंटेटा, किरण सोनी, विजय लक्ष्मी, ईशा, मंजू कवर, सुमन कुमावत, प्रियंका खारवाल सहित कई व्यक्ति मौजूद रहे।

शबनम साहित्य समिति ने बाल साहित्य भेंट कर बच्चों को किया सम्मानित

-बाल साहित्य बच्चों का मनोरंजन ही नहीं ज्ञानवर्धन भी करते हैं

सोजत, (रॉयल पत्रिका)। बाल साहित्य बच्चों का मनोरंजन ही नहीं ज्ञानवर्धन भी करते हैं इसीलिए अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा बाल साहित्य उपलब्ध करवाए उक्त उद्गार वरिष्ठ बाल साहित्य लेखक अब्दुल समद राही ने शबनम साहित्य समिति द्वारा आयोजित होनहार बालिकाएं सोनाक्षी व माही को मोतियों का हार पहनाकर व बाल साहित्य भेंटकर सम्मानित करते हुए व्यक्त किए। राही ने कहा कि आजकल बच्चे मोबाइल और सोशल मीडिया पर चीटिंग कर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।अगर बच्चों को अच्छा बाल साहित्य उपलब्ध होगा तो वह बच्चों के चरित्र निर्माण में सहायक होगा। इस अवसर पर समाजसेवी विनोद कुमार का भी माला व साल पहनाकर बहुमान किया गया। इस अवसर पर अयान खान, सीमा मनानी, रिहाना रानू, अब्दुल जावेद, संस्था सचिव मोहम्मद इम्तियाज राही, ठेकेदार रिजवान खताई, शबनम टाक, सीमा परवीन, नाजिया बानो, मोहम्मद उमैर, अलायका आदि उपस्थित थे

सरगरा महासभा ने किया नवनियुक्त अध्यक्ष हकीम भाई का स्वागत

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनियुक्त पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई का अखिल भारतीय क्षत्रिय सरगरा महासभा रजिस्टर्ड संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल आर्य के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान पूव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मेहबूब भाई टी, मंशाराम जी सोलंकी, गोरधनलाल आरआई, प्रकाश चौहान, मांगीलाल चौहान एडवोकेट, राजूराम परमार, विजयराज काग,चेतन चौहान एडवोकेट, कानाराम घरवाला जाव, मिश्रीलाल आउवा, हुकमाराम सुरायता, रमेश गिरादड़ा, इत्यादि समाज बंधुओं ने साफा माला पहनाकर मुंह मीठा कर स्वागत किया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 20 वीं किश्त जारी करने व किसानों के खातों में बीस हजार पांचसौ करोड रूपये हस्तान्तिरत किये जाने का कार्यक्रम यूपी में आयोजित हुआ जिसका वर्चुअल प्रसारण पाली के कृषि विज्ञान केन्द्र में भी इसका आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बांसवाडा के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअली आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया और कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार किसानों हितों के लिये प्रतिबद्व है। इस अवसर पर पाली सांसद पीपी चौधरी ने आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र पर किसानों के लिए आयोजित प्रदर्शनी का निरीक्षण किया तथा केंद्र पर चल रही विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। डॉ. मनोज कुमार अध्यक्ष, काजरी केविके पाली ने केवीके पर चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

अजमेर विकास प्राधिकरण विधानसभा अध्यक्ष ने ली एडीए की बैठक

-विधि निदेशक को पता नहीं, एडीए के कितने केस अदालत में अतिक्रमण और अवैध कब्जे के चल रहे

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभ अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एडीए के अधिकारियों की जमकर क्लास ली। अधिकारी अपनी सीट से जुड़े कामकाज की सामान्य जानकारियां भी नहीं दे सके। कोर्ट केस, स्टे, अतिक्रमण और लैण्ड बैंक जैसी जानकारियों पर अफसर जवाब नहीं दे सके। देवनानी ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और कहा, ऐसा नहीं चलेगा। जनता को राहत दी और अपनी कार्यशैली सुधारो। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अधिकारियों से उनकी शाखा से जुड़े सामान्य कामकाज और प्रगति के बारे में पूछा गया लेकिन अधिकांश अधिकारी संतुष्टीजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सीट से जुड़ी जानकारियां अफसरों के पास होनी चाहिए। इसी से कामकाज की स्थिति पता लगती है। यह आमजन से जुड़ा विभाग है, यहां प्रतिदिन लोग अपनी समस्याओं समाधान के लिए आते हैं। अफसरों की लापरवाह कार्यशैली से पता लगता है कि जनता की कैसी सुनवाई होती है। अधिकारी अपनी कार्यशैली सुधारें, जनसुनवाई कर राहत दें और शहर के विकास में भागीदारी बने। देवनानी ने विधि शाखा के कामकाज पर नाराजगी जताई। विभाग के अधिकारी यह नहीं बता सके कि एडीए के कितने मामले अदालत में विचाराधीन हैं, कितने प्रकरणों में स्टे है और कितने में स्टे हट गया है। पृथ्वीराज नगर सहित कई योजनाओं में 10 से 15 साल तक स्टे अदालत में हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि अदालत में पैरवी ढंग से नहीं की जा रही है। एडीए अपनी भूमि से स्टे हटवाने के काम को गंभीरता से लें ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा राहत लि सके और एडीए की भूमि स्टे से मुक्त हो सकें। देवनानी ने पूछा कि एडीए की कितनी भूमि पर अतिक्रमण व अवैध कब्जे हैं, उन्हें हटाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं, कितनी भूमि पर एडीए ने अपने बोर्ड लगा दिए हैं। संबंधित शाखा के अधिकारी के पास इससे संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। देवनानी ने उन्हें डांटा कि एडीए को अपनी ही भूमि के बारे में जानकारी नहीं है। आमजन की भूमि पर अतिक्रमण किस तरह हटते होंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने ले आउट, म्यूटेशन, एनओसी, ऑनलाइन सर्विसेज और नक्शा पास होने की गति, पेंडेंसी और पट्टा वितरण की धीमी गति पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े सामान्य कामकाज में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि अनसागार सर्कुलर रोड, मित्तल अस्पताल से बीएसएनएल चौराहा एवं अन्य सड़कों पर रोड लाइट का सही से संचालन हो। लाइटें बंद ना हो पाएं। उन्होंने एडीए में विकास कार्यों की प्रगति, वर्षा जल भराव नियंत्रण के प्रयास एवं प्रगति, हरियाळो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण, विधायक कोष के काम, विभिन्न विकास कार्यों के टेंडर, वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति, विद्त उपकरणों की जांच, भू-उपयोग परिवर्तन आदि की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की ओर से की गई बजट घोषणाओं पर शीघ्र अमल हो। अजमेर शहर को सेक्टर में बांट कर चंडीगढ़ व गुड़गांव की तर्ज पर विकास का प्लान तैयार किया जाए। नई आवासीय व व्यावसायिक योजनाओं की विस्तृत योजनाएं बनाई जाएं ताकि लोगों को अधिक भूखण्ड मिल सकें।

मदस विवि का 38 वां स्थापना दिवस समारोह नई शिक्षा नीति श्रेष्ठ राष्ट्र व सुयोग्य नागरिक बनाने की मजबूत कड़ी

-देवनानी महर्षि दयानंद सरस्वती भारतीय ज्ञान परम्परा के ध्वजवाहक

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां तय कर रहा है। नई शिक्षा नीति भारतीयता, सनातन संस्कृति और राष्ट्र गौरव की अनुभूति के साथ विद्यार्थी को आगे बढ़ा रही है। यह श्रेष्ठ राष्ट्र व सुयोग्य नागरिक बनाने की मजबूत कड़ी है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के 37 वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की दशा व दिशा को बदलने वाली है। यह श्रेष्ठ राष्ट्र व सुयोग्य नागरिक बनाने की अहम कड़ी है। अब विश्वविद्यालयों को भी बदलना होगा। उन्हें प्रचलित अवधारणाओं के साथ ही कुछ नए उपाय भी करने होंगे ताकि विद्यार्थी कक्षा में आए। उसे शैक्षिक के साथ ही सह शैक्षिक गतिविधियां भी मिलें। शिक्षक विद्यार्थियों को गढ़ें। उनके घर जाएं, उन्हें बेहतर बनाने के लिए सर्वस्व लगा दें और देखे कि कैसे सारा माहौल बदल जाएगा। शिक्षक विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करें और उनकी समस्याओं के समाधान में भागीदार बनें। हम राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें। देवनानी ने कहा कि विश्वविद्यालय में केवल पुस्तक वाचन ना हो बल्कि शोध व तार्किक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिले। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय भी तक्षशिला व नालंदा की तरह विश्व में अपनी पहचान बना सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरू का विशेष महत्व है। गुरूकुल और भारतीय ज्ञान संस्कृति विपुल एवं विशुद्ध है। सबसे बड़ी आवश्यकता सनातन संस्कृति को मजबूत करने की है। सनातन संस्कृति रहेगी तो ही हम रहेंगे। संस्कृति से ही जीवन जीने की शैली, हमारा विचार, हमारा सोच, हमारा लक्ष्य, हमारा उद्देश्य परिभाषित होता है। उन्होंने विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कुलगुरू को शिक्षकों एवं स्टाफ की कमी को लेकर सकारात्मक कार्यवाही करने के लिए विश्वास दिलाया। शिक्षाविद् हनुमान सिंह राठौड़ ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि विश्वविद्यालय का नामकरण जिन महापुरूष के नाम पर किया गया है वे महर्षि दयानंद सरस्वती महान पुरुष, शिक्षाविद, समाज सुधारक थे। उनके दर्शन का सम्मान न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी किया जाता है। उन्होंने कुरीतियों, जातिवाद, अंधविश्वास, ऊंच-नीच, छुआछूत जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किए। स्वामी दयानन्द सरस्वती भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रणेता रहे। स्वामी दयानंद सरस्वती ने अंग्रेजी औपनिवेशिक शिक्षा के विकल्प के रूप में भारतीय ज्ञान प्रणाली को स्थापित करने का बीज बोया। डीएवी आंदोलन (दयानंद एंग्लो-वैदिक) यह एक मध्यम मार्ग था, जहाँ अंग्रेजी माध्यम के बावजूद भारतीय संस्कृति की शिक्षा प्रदान की जा सकती थी। अंग्रेजी माध्यम में भी हम अपनी भारतीय संस्कृति को पढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वर्णित भारतीय ज्ञान परम्परा को पुनः स्थापित करने के बीज सर्वप्रथम स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही बोए थे। विद्या प्राप्त करना तप है। भारतीय परंपरा में मेधा बुद्धि केवल बुद्धिमान होने तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त संसार के हित की कामना करने के लिए तप करना सनातन संस्कृति है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम हेतु बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2025 के अंतर्गत आयोजित होने वाले विशेष संक्षिप्त गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के समस्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को पंचायत समिति सभागार, चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र की अध्यक्षता ईआरओ बीनू देवल ने की। उन्होंने अपने संबोधन में निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों को कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यदायित्व एवं महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का समयबद्ध, त्रुटिरहित एवं पारदर्शी अद्यतन लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, और इसके लिए प्रत्येक बीएलओ एवं पर्यवेक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डोर-टू-डोर सर्वे एवं पुनर्गठन पर बल

ईआरओ बीनू देवल ने बताया कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक बीएलओ को अपने क्षेत्र में डोर-टू-डोर सर्वेक्षण कर वास्तविक मतदाताओं की जानकारी संकलित करनी होगी। इस प्रक्रिया के दौरान नवीन मतदाताओं के पंजीयन, मृत/डुप्लीकेट/स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन, नाम, पते एवं लिंग सुधार जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जिन मतदान केंद्रों पर 1200 से अधिक मतदाता दर्ज हैं, उनके पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसके तहत प्रस्तावित रूप से लगभग 30 नए मतदान केंद्रों की स्थापना की जाएगी, जिससे मतदाताओं को सुविधा मिले एवं लंबी कतारों से राहत मिल सके।

प्रशिक्षकों की सहभागिता एवं तकनीकी मार्गदर्शन

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप पंजीयक एवं प्रशिक्षण प्रभारी सुनीता सांखला, जिला स्तरीय प्रशिक्षक कनकमल जैन, तथा विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षकगण दिलीप जैन, हरीश शर्मा एवं शंभूलाल की सक्रिय एवं ज्ञानवर्धक सहभागिता रही।

जेवीवीएनएल की त्वरित कार्रवाई से 47 गांवों में बहाल हुई पेयजल आपूर्ति

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। विगत 30 जुलाई की रात इन्द्र गढ क्षेत्र में भारी बारिश के बाद, गुढ़ा बाँध में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुँच गया। इससे हुए अत्यधिक जल प्रवाह के कारण, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के चाकन बाँध जल आपूर्ति संयंत्र को बिजली प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण बिजली का टावर बह गया। टावर के गिरने से बिजली के तार टूट गए, जिसके परिणामस्वरूप इन्द्रगढ़, सुमेरगंजमंडी और आसपास के लगभग 47 गाँवों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए, 30 जुलाई की शाम को जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने तुरंत जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने जेवीवीएनएल की टीम को जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने के सख्त निर्देश दिए। अधीक्षण अभियन्ता जेवीवीएनएल ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए, जेवीवीएनएल बूंदी की टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। इन्द्रगढ़ सब-डिवीजन के इंजीनियरों, फीडर इंचार्ज और फ़र्स्ट रेस्पोंस टीम ने मिलकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। नदी में लगातार पानी के बहाव और दुर्गम स्थान के कारण मरम्मत का काम बेहद मुश्किल था, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी। घंटों की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बाद, जेवीवीएनएल की टीम ने 31 जुलाई को शाम 4 बजे तक क्षतिग्रस्त बिजली लाइन को सफलतापूर्वक ठीक कर दिया और आपूर्ति को फिर से बहाल कर दिया। बिजली आपूर्ति बहाल होते ही, पीएचईडी के चाकन बाँध फीडर की आपूर्ति चालू हो गई, जिससे 47 गाँवों में पेयजल आपूर्ति फिर से शुरू हो सकी। इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिली हैं।

निम्बाहेड़ा ब्लॉक की राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि

-विधायक कृपलानी बोले, सामूहिक प्रयासों से देशभर में रोशन हुआ ब्लॉक का नाम

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के नीति आयोग एवं राजस्थान सरकार के आयोजन विभाग द्वारा संचालित सम्पूर्णता अभियान के अंतर्गत निम्बाहेड़ा ब्लॉक ने देशभर में द्वितीय एवं राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। इस गौरवमयी उपलब्धि के उपलक्ष्य में शुक्रवार को आकांक्षा जिला एवं ब्लॉक स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता जिला कलक्टर आलोक रंजन ने की। समारोह में पूर्व विधायक अशोक नवलखा, जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, एसीईओ राकेश पुरोहित, पंचायत समिति प्रधान बगदीराम धाकड़, उप प्रधान जगदीश चंद्र आंजना, कपिल चौधरी, नितिन चतुर्वेदी, अशोक जाट सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि रहे। सम्मान समारोह का आयोजन चित्तौड़गढ़ रोड स्थित जे.के. सीमेंट सामुदायिक भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान सांवलिया सेठ की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके पश्चात पंचायत समिति विकास अधिकारी लक्ष्मण लाल खटीक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। उपखंड अधिकारी विकास पंचौली ने स्वागत भाषण में सम्पूर्णता अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि एक वर्ष पूर्व निम्बाहेड़ा ब्लॉक प्रदेश में 226वें स्थान पर था, किंतु समर्पित टीमवर्क एवं योजनाबद्ध प्रयासों के चलते अब ब्लॉक ने देश में दूसरा और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। मुख्य अतिथि विधायक श्रीचंद कृपलानी ने इस अवसर पर कहा कि "यह उपलब्धि निम्बाहेड़ा के हर विभाग, अधिकारी और कर्मचारी की प्रतिबद्धता और मेहनत का परिणाम है। हमें गर्व है कि आज हमारा ब्लॉक राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सका है।" उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना होना चाहिए। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

"लाडो उत्सव एवं लाडो जन्मोत्सव" के माध्यम से बेटियों के सशक्तिकरण का संदेश

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा बालिकाओं के जन्म को सम्मान एवं प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई लाडो प्रोत्साहन योजना के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज राजस्थान राज्य स्काउट व गाइड सभागार, बूंदी में जिला स्तरीय लाडो उत्सव एवं लाडो जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लाडो योजना बेटियों को न केवल आर्थिक सहायता देती है, बल्कि समाज में उनके प्रति सकारात्मक सोच को भी सशक्त करती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बेटियों को जन्म से ही समान अधिकार और अवसर मिलें। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद की सभापति सरोज अग्रवाल ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल समाज में लैंगिक समानता की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा को हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएं। इस अवसर पर उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, ऋचा चतुर्वेदी, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष सीमा पोद्दार, तथा जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, अनुप्रिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में बालिकाओं को शिक्षित, सुरक्षित और सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता, भेरू प्रकाश नागर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए अतिथियों, लाभार्थियों, ग्राम साथिनो और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि योजना ने जिले में हजारों परिवारों को लाभ पहुंचाया है और समाज में बेटियों के प्रति नजरिया बदलने में सहयोगी सिद्ध हुई हैं। परामर्शदाता अक्षिता मिश्रण ने लाडो प्रोत्साहन योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया, पात्रता, मिलने वाली सुविधाओं जैसे बेबी किट्स, पोषण व स्वास्थ्य सहायता आदि के बारे में विस्तार से बताया। बालिका आयुर्धा अग्रवाल, अभिज्ञा, शिवि और दक्षिता ने कविता, नृत्य और गीतों की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। इसके पश्चात मंच पर नवजात बालिकाओं का स्वागत किया गया एवं केक काटकर लाडो जन्मोत्सव का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संचालन कर रहे एक्शन एड ज़िला समन्वयक ज़हीर आलम द्वारा बालिका सशक्तिकरण की सामूहिक शपथ दिलाई गई।

महिलाओं के उत्सव मातृशक्ति मानसून फेस्ट को लेकर विधायक अनीता भदेल ने की प्रेस वार्ता

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। विधायक अनीता भदेल ने शुक्रवार को होटल एम्बरडाइन में प्रेस वार्ता के माध्यम से आगामी रविवार को आयोजित होने वाले मातृशक्ति मानसून फेस्ट की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित आयोजन रविवार को दोपहर 2 बजे से डीएवी कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जिले की महिलाओं के लिए समर्पित है। इसमें उन्हें मनोरंजन, सहभागिता और सशक्तिकरण के अवसर एक साथ मिलेंगे। इस मानसून फेस्ट में लगभग 15 हजार महिलाओं के भाग लेने की संभावना है। विधायक भदेल ने कहा कि यह कार्यक्रम लगातार पाँचवीं बार आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य आम महिलाओं को मंच उपलब्ध कराना है। यहां वे अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और सामाजिक सहभागिता को प्रस्तुत कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन उन महिलाओं के लिए भी अवसर बनते हैं, जो सामान्यतया सामाजिक आयोजनों में भाग नहीं ले पातीं। उनके मन में सदैव जुड़ाव और सहभागिता की इच्छा रहती है। कार्यक्रम की विशेषताओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इस फेस्ट में लहरिया फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। मिस लहरिया, मिस ट्रेडिशनल, मिस ब्राइडल, माँ-बेटी राउण्ड, सास-बहु राउण्ड इस प्रकार फैशन-शो की पांच प्रकार की श्रेणियों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। यह शो पारिवारिक रिश्तों की सुंदरता को मंच पर लाने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति को भी सशक्त करेगा। साथ ही इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को उपयोगी एवं कीमती उपहारों से सम्मानित किया जावेगा। मिस लहरिया, मिस ट्रेडिशनल, मिस ब्राइडल में प्रत्येक विजेता को 43 इंच का एलईडी टी.वी. का उपहार दिया जाएगा।

जिला कलक्टर और एडीएम प्रशासन ने किया वर्षा जल निकासी व्यवस्था का अवलोकन

-जिला प्रशासन ने की अपीलए कंट्रोल रूम 0154-2440988 पर दे सकते हैं सूचना

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में बीती गुरुवार रात से जारी भारी बरसात के मद्देनजर जिला प्रशासन ने आमजन से सुरक्षित और जागरूक रहने का आह्वान किया है। जारी अपील में जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने आह्वान किया है कि आमजन बरसात के चलते अनावश्यक घरों से बाहर न निकलें और सुरक्षित रहें। सभी प्रकार की आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। शुक्रवार को सुबह के पश्चात शाम को भी जिला कलक्टर द्वारा वर्षा जल निकासी व्यवस्था का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने सूरतगढ़-पदमपुर मार्ग, जस्सा सिंह मार्ग, बसंती चौक, सूरतगढ़ मार्ग, पदमपुर रोड, सुखाड़िया सर्किल सहित अन्य स्थानों से वर्षा जल निकासी के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, सुरेंद्र पूनिया सहित अन्य मौजूद रहे। जिला कलक्टर ने बताया कि जिले में बीती गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक 98 एमएम और शुक्रवार शाम तक 116 एमएम बारिश दर्ज हो चुकी है। इसके अलावा जिले के विभिन्न स्थानों पर भी भारी बरसात हुई है। उन्होंने बताया कि भारी बरसात के मद्देनजर जल निकासी की व्यवस्था की जा रही है। वर्षा जल निकासी के लिए समस्त एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और नगर निकाय अधिकारी फील्ड में निरन्तर प्रयासरत हैं।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत डूंगरपुर की ओर से जल जीवन मिशन के तहत आज 31 अगस्त 2025 को अतिरिक्त जिला कलक्टर डूंगरपुर की अध्यक्षता में जिला कलक्टर सभागार डूंगरपुर में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की 45 वीं मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत योजनाओ की प्रगति एवं एफ.एच.टी.सी. की प्रगति एवं बैठक के एजेण्डा के अन्य बिन्दओं पर चर्चा की गई। अधीक्षण अभियंता गोपीचन्द वर्मा द्वारा जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति को अध्यक्ष महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया अतिरिक्त जिला कलक्टर महोदय द्वारा एफ.एच.टी.सी. की प्रगति बढाने तथा योजना का कार्य शीघ्र पूरा करवाने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्ण हो चुके गांवों में हर घर जल प्रमाण पत्र लेने व उनको आई.एम.आई.एस. पर इंद्राज करने के लिए आई.एस.ए. को पाबंद करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अन्य विभाग के अधिकारियों को कहा कि जल जीयन मिशन में प्रगति लाने हेतु समन्यय स्थापित कर प्रयास किए जाएं। इस दौरान बैठक में जिला डूंगरपुर के समस्त अधिशाषी अभियन्ता गोपीचन्द वर्मा, सहायक अभियंता, एम.आई.एस. कन्सलटेन्ट और आई.एस.ए. एवं टीम लीडर टीपीआई सहित अन्य विभाग के अधिकारीगण मौजुद रहे, बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई।

तकनीकी सहायकों एवं एमआईएस मैनेजरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी नरेगा योजनांतर्गत तकनीकी एवं एमआईएस मैनेजरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ईडीपी सभागार में अधिशासी अभियंता महेश ओझा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में जेटीए हेमेंद्र वनावट एवं एमआईएस भूपेंद्र सिंह ने युक्तधारा पोर्टल को लेकर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में जेटीए निकेश पंड्या,पंकज पंड्या कीर्ति वैष्णव ,आशीष पाटीदार एवं राजेश बाबरा ने सिक्योर सॉफ्ट तथा ई एमबी के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में समन्वयक अभिसरण एवं मूल्यांकन कुणाल शर्मा ने नरेगा योजनांतर्गत संधारित होने वाले 8 रजिस्टरों ओर नागरिक सूचना पट्ट के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण में समन्वयक आईईसी महेश जोशी ने सफलता की कहानियों के संकलन ओर आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर अमृत सरोवर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। प्रशिक्षण में अधिशासी अभियंता महेश ओझा ने जियो टैग ओर जियो फेसिंग के बारे में बताते हुए प्रशिक्षण के सभी बिंदुओं पर आपसी खुली चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। प्रशिक्षण में जिले के सभी जेटीए ओर एमआईएस मैनेजर व अधिशासी अभियंता मूलाराम सोलंकी भी उपस्थिति रहे।

अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाशों पर आगामी आदेश तक रोक लगाई

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में जिले में तेज बरसात और जलभराव की चेतावनी के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा धर्मशालाओं का अधिग्रहण किया गया हैं। इसी सन्दर्भ में जिला कलक्टर द्वारा जिले के समस्त राजकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाशों पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के अनुसार अत्यधिक वर्षा के कारण कच्ची बस्तियों एवं शहर के निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति के मद्देनजर जिला मुख्यालय स्थित चार धर्मशालाओं का अधिग्रहण किया गया है। पंचायती धर्मशाला, कुम्हार धर्मशाल, गुरूद्वारा सिंह सभा भवन और धानक धर्मशाला का अधिग्रहण किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त धर्मशालाओं में आमजन के ठहरने की व्यवस्थाओं के लिए गंगानगर तहसीलदार विक्रम सिंह को प्रभारी और चार नायब तहसीलदारों को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी सन्दर्भ में जिला कलक्टर द्वारा वर्तमान में मौसम विभाग की चेतावनी एवं अत्यधिक वर्षा के दृष्टिगत जिले के समस्त राजकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाशों पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है।

बिग बॉस 19:

24 अगस्त से घरवालों की सरकार पूरी तरह तैयार

लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 के नए सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में निर्माताओं ने इस ड्रामा का रोमांचक टीजर जारी कर दिया है। निर्माताओं ने घोषणा की कि इस शो का भव्य प्रीमियर इस साल 24 अगस्त को होगा। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला यह शो जियो हॉटस्टार पर रात 9:00 बजे स्ट्रीम होगा और कलर्स पर रात 10:30 बजे प्रसारित होगा। बिग बॉस के 19वें सीजन की थीम होगी घरवालों की सरकार! जो घर के बाहर से अंदर तक सत्ता के एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। अन्य सीजन के विपरीत सत्ता किसी एक के हाथ में नहीं होगी, बल्कि बिग बॉस का घर सबकी सलाह पर चलेगा। टीजर में सलमान को बिग बॉस 19 के होस्ट के रूप में वापसी करते हुए दिखाया गया है। सलमान ने रियलिटी शो के नए सीजन के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं काफी लंबे समय से बिग बॉस का हिस्सा रहा हूं। जैसा कि हम सभी जानते हैं, बिग बॉस हर साल खेल को नया रूप देता है और इस बार, यह घरवालों की सरकार है। जब बहुत सारे लोग एक-दूसरे पर डोरे डालने लगते हैं, तो मामला गड़बड़ा जाता है, तभी दरारें दिखाई देती हैं और घर एक युद्धक्षेत्र में बदल जाता है। सलमान खान ने आगे कहा कि इतने सालों बाद, मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि मैं भी आपकी तरह यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि यह सब कैसे होता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बिग बॉस 19 में राम कपूर, मुनमुन दत्ता और सोशल मीडिया स्टार मिस्टर फैसू जैसी कुछ प्रसिद्ध हस्तियां प्रतियोगी के रूप में शामिल होंगी। इसके अलावा, धीरज धूपर, अनीता हसनंदानी, आशीष विद्यार्थी, अपूर्वा मुखीजा, गौरव तनेजा, कनिका मान, कृष्णा श्रॉफ, राज कुंद्रा और श्रीराम चंद्रा के भी घर में आने की अटकलें हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया है।

वीर पहाड़िया संग अपने रिश्ते पर तारा सुतारिया ने लगाई मुहर?

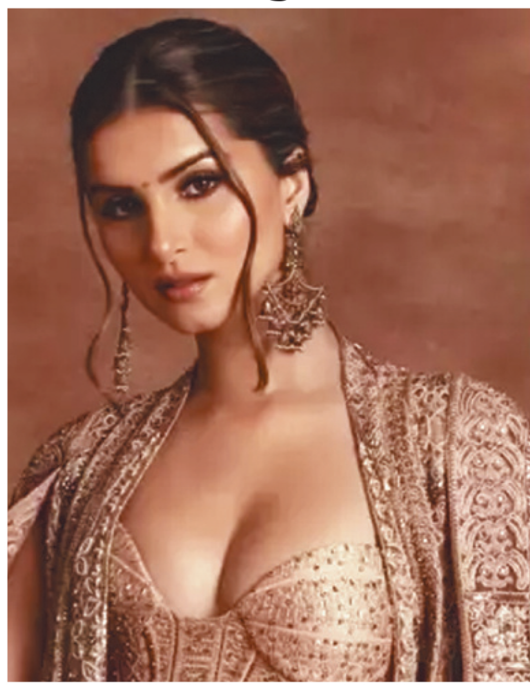

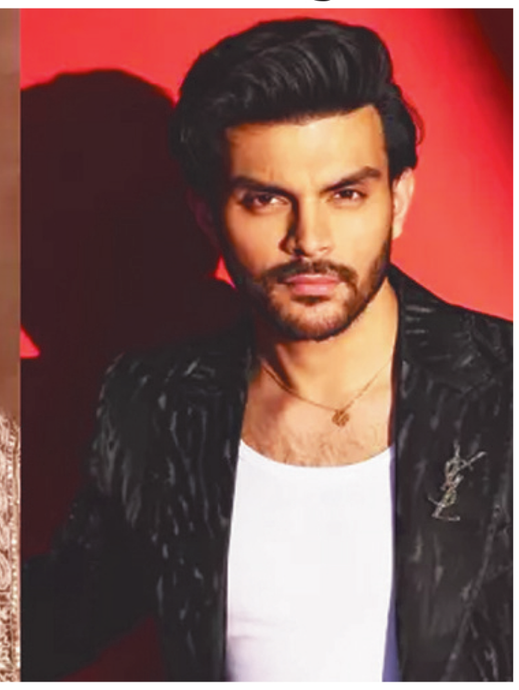

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनकी और वीर पहाड़िया की जोड़ी को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा है। हालांकि दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है, लेकिन हाल ही में दिए एक इंटरव्यू ने अफवाहों को और हवा दे दी है। तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपनी निजी जिंदगी को लेकर बातें कीं, जहां उन्होंने अपने रिश्ते की पुष्टि तो नहीं की, लेकिन ये जरूर कहा कि वो अपने रिलेशनशिप को लेकर बहुत खुश हैं और इतनी खुश हैं कि खुद को चांद पर महसूस करती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वो अपने पार्टनर के साथ चांदनी रातों का लुत्फ उठाती हैं, तो तारा ने मुस्कराते हुए जवाब दिया कि हां, ये अनुभव बेहद खास होता है, बिल्कुल चौदहवीं के चांद जैसा। इस बातचीत में तारा ने साफ किया कि प्यार उनके लिए सबसे जरूरी चीज है और वो हमेशा से इसे सबसे ऊपर रखती हैं। उन्होंने कहा, मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे अपने प्यार पर भरोसा रहा। मैं उन लोगों में से हूं जो प्यार में यकीन रखते हैं। हालांकि इस बातचीत के दौरान उन्होंने वीर पहाड़िया का नाम तो नहीं लिया लेकिन अब फैंस उनका नाम सीधे वीर से ही जोड़कर देख रहे हैं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने ये भी कहा कि जब आप प्यार को जरूरत से ज्यादा खोजने लगते हैं, तो वो अक्सर दूर चला जाता है। लेकिन जब सही वक्त आता है, तो वो अपने आप आपके जीवन में आ जाता है।

वीर पहाड़िया संग कई बार दिख चुकीं तारा

कभी सारा अली खान के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे वीर पहाड़िया के अब तारा को डेट करने की खबर है। दोनों को कई बार मुंबई और डिनर डेट्स पर एक साथ देखा गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर भी उनके बीच की कैमिस्ट्री सबके दिलों को जीत रही है। हाल ही में तारा ने दिल्ली में इंडियन कोचर वीक 2025 में रैंप वॉक किया। उस वक्त भी ऑडियंस में वीर पहाड़िया ने उन्हें फ्लाइंग किस दिया था।

मेरे लिए 125 करोड़ नहीं, 100 रुपए और दर्शकों का प्यार मायने रखता है: आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर को दिल के करीब बताया। ये भी कहा कि उनके लिए दर्शकों का प्यार और उनकी सराहना सबसे बड़ी पूंजी है। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म को लेकर कई बड़े ऑफर मिले थे लेकिन उन्होंने दर्शकों के लिए इसे ठुकरा दिया। आमिर खान ने बताया कि कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने बड़े ऑफर दिए, लेकिन उन्होंने इन ऑफर्स को ठुकरा दिया। बोले कि उनके लिए पैसों से ज्यादा वो प्यार मायने रखता है जो दर्शकों से मिलता है। प्रोड्यूसर-एक्टर आमिर खान ने कहा, मैं अपने दर्शकों को बहुत सम्मान देता हूं। उनके लिए मैं कड़ी मेहनत करता हूं ताकि वे मेरी फिल्मों को देखें और उसका आनंद लें। मेरे लिए यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने अपनी नई फिल्म सितारे जमीन पर के बारे में भी बात की, जो उनके दिल के बेहद करीब है। यह फिल्म सामाजिक मुद्दों को मनोरंजन के साथ पेश करने की उनकी खास शैली को दिखाती है। आमिर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से मिल रहे भारी-भरकम ऑफर्स का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मुझे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से 100 करोड़ और 125 करोड़ रुपए के कई बड़े ऑफर मिल रहे थे, लेकिन मैं ऐसा नहीं चाहता। मेरे लिए दर्शकों का 100 रुपए का टिकट ज्यादा कीमती है, जो वे खुशी-खुशी मेरी फिल्म देखने के बाद देते हैं। उन्होंने आगे बताया, मुझे लगता है कि सिनेमा के लिए ये ज्यादा महत्वपूर्ण है कि लोग सिनेमाघरों में आपकी फिल्म देखें और फिर उससे जो पैसे आएं वो ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि फिर लोग परिवार के साथ फिल्म देखने जाते हैं, तो ये और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बन जाता है। मेरा कॉन्सेप्ट क्लियर है कि सराहना के तौर पर दर्शकों से आपको पैसे मिले, मुझे बिजनेस में रूचि होती तो मैं 125 करोड़ ले लेता। मुझे पैसे तो चाहिए, मगर वो ऑडियंस से खुशी-खुशी चाहिए, और मुझे लगता है कि मेरे लिए और सिनेमा के लिए भी यही सही है।

कंगना रनौत के साथ काम करना चाहते हैं पवन कल्याण

पावरस्टार पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान जब पवन कल्याण से उनकी सह-कलाकार के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्रियों को चुनने को कहा गया, तो उन्होंने प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर का नाम नहीं लिया। जानिए आखिर किस अभिनेत्री के साथ पवन काम करना चाहते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान पवन कल्याण ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर से बेहतर अभिनेत्री बताया। उन्होंने कंगना को मजबूत अभिनेत्री कहा। खासकर उनकी फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी के किरदार के लिए उनकी तारीफ की। वहीं कंगना ने पवन के इस बयान को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और प्यार भरे इमोजी के साथ खुशी जताई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पवन से जब आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, कृति सेनन और कियारा आडवाणी में से चुनने को कहा गया, तो उन्होंने पहले सभी को चुना, लेकिन बाद में कृति सेनन को पसंद किया। हालांकि, कृति और कंगना में से उन्होंने कंगना को चुना।

पवन और कंगना का करियर

कंगना ने 2006 में गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और 2009 में तेलुगु फिल्म एक निरंजन में काम किया था। उनकी हालिया फिल्म इमरजेंसी थी, जिसका निर्देशन और निर्माण भी उन्होंने किया। पवन की फिल्म हरि हर वीर मल्लु हाल ही में कई भाषाओं में रिलीज हुई है। वह जल्द ही दे कॉल हिम ओजी और उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगे।

फिर सिनेमाघरों में लगेगी विद्या बालन की 20 साल पुरानी फिल्म, परम सुंदरी से होगा टकराव

फिल्म परम सुंदरी को सन ऑफ सरदार 2 के साथ बॉक्स ऑफिस भिड़ंत से बचाने के लिए मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ाई। अब यह फिल्म अगस्त में रिलीज होगी। मगर, इसके लिए अब विद्या बालन की 20 साल पुरानी फिल्म चुनौती बन सकती है। जी हां, विद्या बालन और सैफ अली खान अभिनीत परिणीता री-रिलीज होने जा रही है। फिल्म सिनेमाघरों में उसी दिन दस्तक देगी, जिस दिन परम सुंदरी रिलीज हो रही है।

अगस्त में इस दिन होगी दोबारा रिलीज

फिल्म परिणीता साल 2005 में रिलीज हुई। इसी के जरिए विद्या बालन ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। करीब 20 साल बाद फिल्म फिर सिनेमाघरों में सजेगी। यह म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म 29 अगस्त, 2025 को री-रिलीज हो रही है। यह फिल्म सिर्फ एक हफ्ते के लिए थिएटर्स में लगेगी। आज बुधवार को पीवीआर सिनेमा के सोशल मीडिया पोस्ट से यह जानकारी शेयर की गई है।

मायसा होगी रश्मिका की हॉरर एक्शन फिल्म

रश्मिका मंदाना अपनी नई पैन- इंडिया हॉरर एक्शन ड्रामा फिल्म मायसा के साथ एक दमदार अवतार में वापसी कर रही हैं। यह फीमेल लीड एक्शन फिल्म आज एक पारंपरिक पूजा समारोह के साथ लॉन्च हुई, जिसमें फिल्म की पूरी टीम मौजूद थी। इस मौके पर जाने माने निर्माता सुरेश बाबू गरु और निर्देशक हनु राघवपुडी भी शामिल हुए। मायसा का निर्माण अनफार्मूला फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है और इसे एक बड़े बजट के साथ पूरे भारत में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग आज से हैदराबाद में शुरू होगी। मायसा को एक इमोशनल एक्शन फिल्म भी बताया गया है, जिसकी कहानी गोंड जनजाति की समृद्ध सांस्कृतिक दुनिया पर आधारित है। रश्मिका मंदाना इसमें एक गोंड महिला का चुनौतीपूर्ण और अलग किरदार निभा रही हैं, जो बेहद मजबूत और भावुक है। यह किरदार उनके पिछले कामों से काफी अलग है और दर्शकों को उनका एक नया पहलू देखने को मिलेगा। मायसा को राविंद्र पुल्ले ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी श्रेयास पी कृष्णा संभाल रहे हैं, जो सूर्या की फिल्म रेट्रो में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस इंटरनेशनल स्टंट डायरेक्टर एंडी लॉन्ग द्वारा डिजाइन किए गए हैं।

अनफार्मूला फिल्म्स आने वाले दिनों में फिल्म से जुड़े और बड़े अनाउंसमेंट करने वाली है, जिसकी शुरुआत म्यूजिक डायरेक्टर के नाम के खुलासे से होगी। मायसा एक ऐसी फिल्म होने की उम्मीद है जो एक अनूठी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में एक गहरी भावनात्मक कहानी पेश करेगी, जिसमें रश्मिका का एक सशक्त अवतार देखने को मिलेगा। वह तलवार लेकर युद्ध करती दिखेंगी। इसके अलावा रश्मिका एक हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा में भी हैं, जिसमें वह आयुष्मान खुराना, संजय दत्त और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हैं।

बैक-टू-बैक फिल्मों में दिखेंगी एक्ट्रेस: रश्मिका अपनी द गर्लफ्रेंड पूरी कर चुकी हैं। यह एक तेलुगु फिल्म है। यह इसी साल आएगी। वहीं उनके खाते में रणबीर कपूर के साथ एनिमल की सीक्वल एनिमल पार्क भी है। साथ ही पुष्पा 3 द रैम्पेज तो है ही जो 2027 में रिलीज हो सकती है। एक और फिल्म रेनबो है जो तमिल-तेलुगु दोनों भाषाओं में बनेगी। रश्मिका बैक-टू-बैक कई फिल्मों में काम कर रही हैं।

रश्मिका लगातार अलग-अलग भाषाओं और शैलियों की फिल्मों में काम कर रही हैं, जिससे उनकी पैन-इंडिया अपील बढ़ रही है। रश्मिका ने इस फिल्म में गोंड महिला के रोल में दिखने के लिए अपना लुक काफी चेंज किया है। इस रोल के लिए वह शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर बड़ा मेकओवर करेंगी। निर्देशक के मुताबिक, रश्मिका का किरदार बेहद तीव्र, भावनात्मक और दमदार होगा। कहानी सुनते ही रश्मिका ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई और इसकी गहराई ने उन्हें आकर्षित किया।

बॉलीवुड में जलवा बिखेरने के बाद, अब दिव्या दत्ता इस तेलुगु सीरीज में आएंगी नजर

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्या दत्ता अब तेलुगु सिनेमा इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाली हैं। उनकी आगामी तेलुगु वेब सीरीज मायासभा का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। मशहूर अभिनेत्री दिव्या दत्ता बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों को दीवाना बनाने के बाद अब तेलुगु मनोरंजन जगत में भी जलवा बिखेरने को तैयार हैं। एक्ट्रेस मायासभा नाम के वेब सीरीज से तेलुगु इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर भी गुरुवार को रिलीज कर दिया गया।

एक्ट्रेस ने शेयर किया पोस्ट

दिव्या दत्ता ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी तेलुगु वेब सीरीज मायासभा का ट्रेलर शेयर किया। इस ट्रेलर में एक्ट्रेस राजनेता के रूप में नजर आ रही हैं और उनकी प्रेजेंस ने सीरीज में जान डालने का काम किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए दिव्या दत्ता ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसी कहानी, जिसने राज्य की किस्मत बदल दी।'

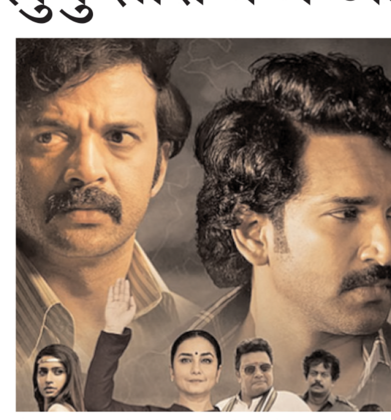

लंबे समय से तेलुगु सिनेमा में आना चाहती थीं एक्ट्रेस

पीटीआई से बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा, 'पहली बार हमेशा खास होता है और मैं लंबे समय से तेलुगु सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थी। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के बीच बढ़ते तालमेल के साथ मुझे इस शो के साथ शुरुआत करने पर गर्व है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी आगामी सीरीज बहुत ही शानदार होने वाली है। उन्होंने अपने निर्देशक और क्रू मेंबर्स का धन्यवाद किया है, जिनके कारण वह तेलुगु में डेब्यू कर रही हैं।

साभार एजेंसी

टेस्ट टीम में वापसी को आतुर श्रेयस अय्यर! दलीप ट्रॉफी में खेलने को तैयार

सरफराज खान और शिवम दुबे ने भी जाहिर की इच्छा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी और क्षेत्रीय चयन शुक्रवार एक अगस्त 2025 की दोपहर को मुंबई में होगा। श्रेयस अय्यर के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। दोनों ने इस बारे में मुंबई क्रिकेट संघ को सूचित कर दिया है।

फरवरी 2024 से भारत के लिए नहीं खेला टेस्ट क्रिकेट: मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस को इसकी पुष्टि करते हुए बताया, 'श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।' श्रेयस अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक बनाया है।

श्रेयस अय्यर ने हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड बॉल क्रिकेट (खेल का सबसे लंबा फॉर्मेट) नहीं खेला है। वह हालांकि उस भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे, जिसने इस साल के शुरू में दुबई में 50 ओवर्स की चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। हाल ही में, श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल खेला था। जहां उसे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार झेलनी पड़ी थी। श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड के भारतीय टेस्ट दौरे के लिए नहीं चुना गया है। चयनकर्ताओं ने उन पर करुण नायर को तरजीह दी। करुण नायर ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि चयन समिति उन खिलाड़ियों को चुनेगी जो भारतीय टेस्ट मैच टीम का हिस्सा हैं, जो वर्तमान में इंग्लैंड के खिलाफ खेल रहे हैं। मौजूदा भारतीय खिलाड़ी पिछले चार महीनों से घर से दूर हैं, और उन्हें एक अच्छे ब्रेक की जरूरत हो सकती है।

मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे, 4 दिसंबर को मुंबई में एक इवेंट में शामिल होंगे, तीन शहरों का दौरा करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। मेसी 14 साल के लंबे समय के बाद भारत आ रहे हैं। वो 13 से 15 दिसंबर तक भारत में रहेंगे और कुल तीन शहरों का दौरा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी 13 से 15 दिसंबर तक कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम 14 दिसंबर को एक इवेंट में शामिल होंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, कुछ क्रिकेटर्स भी इस इवेंट में शामिल होंगे। ईडन गार्डन्स स्टेडियम भी जाएंगे इसके अलावा मेसी कोलकाता भी जाएंगे और वहां उनको ईडन गार्डन में सम्मानित किया जाएगा। इस इवेंट में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी भी शामिल हो सकती हैं। मेसी कोलकाता में बच्चों के लिए एक फुटबॉल वर्कशॉप भी आयोजित करवाएंगे और साथ ही वो फुटबॉल क्लिनिक भी लॉन्च करेंगे। फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे इससे पहले, 6 जून को केरल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर वी. अब्दुरहीमन नहीं इस बात की पुष्टि की थी कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम जिनकी कप्तानी लियोनेल मेसी करेंगे वो अक्टूबर या नवंबर में केरल एक फ्रेंडली मैच खेलने आएंगे। ये मुकाबला तिरुवंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। केरल सरकार से इसकी बात हो चुकी है। साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी। अर्जेंटीना और वेनेजुएला के बीच यह मैच 2 सितंबर को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया था। इस मैच में मेसी के असिस्ट से निकोलस ओटामेंडी ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 से जीत दिलाई थी।

भारतीय फुटबॉल कप्तान ने एएफसी महिला एशियाई कप में सफलता पाने का राज बताया

उदयपुर, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उन्हें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए मैत्रीपूर्ण मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर जोर दिया है।

भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद उनका सामना 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से होगा। उदयपुर के पास जावर में जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी के शुभारंभ के दौरान स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) महिला फुटबॉल के विकास के लिए अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा। जिंक फुटबॉल अपनी तरह की एक अनूठी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जिसके मूल में विश्व स्तरीय सुविधाओं वाली एक पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी और देश की पहली तकनीक-आधारित फुटबॉल प्रशिक्षण - अनूठी एफ-क्यूब तकनीक है। इस पहल का उद्देश्य भारतीय फुटबॉल के विकास में योगदान देना है और साथ ही दुनिया के सबसे पसंदीदा खेल की शक्ति का उपयोग करके महिलाओं, बच्चों और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और उनका सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करना है। हिंदुस्तान जिंक की अकादमी में राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और झारखंड जैसे विभिन्न राज्यों की 20 लड़कियों का एक प्रारंभिक बैच होगा। इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया।

भारतीय पहलवान रचना और अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन, मोनी उपविजेता

एथेंस, एजेंसी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं, जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में एनहेलिना बुर्किना को 8-3 से हराया।

भारत के कम से कम दो और पदक पक्के हो गए हैं जिसमें यशिता (61 किग्रा) और काजल (73 किग्रा) खिताबी मुकाबले में उतरेंगी जबकि मनीषा 69 किग्रा में कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगी।

हालांकि, गुरुवार को सभी भारतीय पहलवान पोडियम तक नहीं पहुंच पाए। प्रीति यादव (40 किग्रा) और कशिश गुर्जर (46 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में क्रमशः मैसी अन्ना क्लेयर इलियट और जैकलिन रोज़ बुज़ाकिस से हारकर बाहर हो गईं। सारिका 53 किग्रा भार वर्ग में जापान की रियोन ओगावा से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गईं।

डब्ल्यूसीएल 2025:

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने की राह में मुश्किल पैदा करेगा दक्षिण अफ्रीका

बर्मिंघम, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां पर दर्शकों को अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने का मौका मिलता है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस टूर्नामेंट ने विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को एक मंच पर लाने का सफल प्रयास किया। इस सीजन में युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, क्रिस गेल, डीजे ब्रावो, ब्रेट ली, क्रिस लिन, शॉन मार्श, इयोन मोर्गन, मोइन अली, और सर एलेस्टेयर कुक जैसे सितारों ने दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित किया। यह सफर एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया है और उत्सुकता बढ़ती जा रही है; दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फाइनल मैच के लिए तैयार हैं। डब्ल्यूसीएल का ग्रैंड फिनाले सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है–यह विरासत, गौरव और खेल के प्रति प्रेम के बारे में है। इस रोमांचक मुकाबले का भारत में स्टार स्पोर्ट्स और फैनकोड पर रात 9:00 बजे सीधा प्रसारण किया जाएगा।

National Bank Open:

कोको गॉफ की एक और संघर्षपूर्ण जीत

अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया।

गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच, AIFF ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका एलान किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

तीन लोगों की सूची में से चुना गया: पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे।

धनश्री वर्मा से तलाक पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी

जिंदगी से थक गया, सुसाइड करना चाहता था...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का इस साल मार्च में तलाक हो गया था. अब चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. इस शादी में क्या-क्या गड़बड़ियां हुई, चहल ने इस बारे में खुलकर बात की. युजवेंद्र चहल ने कहा कि जब इस साल की शुरुआत में उनपर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे और तलाक की अफवाहें तेज हो गई थीं, तो वो मानसिक तनाव से गुजरे. युजवेंद्र चहल ने कहा कि उनके मन में आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे. चहल ने राज शमानी के यूट्यूब चैनल पर कहा, यह

काफी समय से चल रहा था. हमने तय किया कि जब तक उस स्थिति में नहीं पहुंचेंगे जहां से वापसी संभव न हो, हम कुछ नहीं कहेंगे. हम सोशल मीडिया पर एक सामान्य कपल की तरह ही रहेंगे. जब युजवेंद्र चहल से पूछा गया कि क्या उस वक्त वो सिर्फ दिखावा कर रहे थे, तो इस स्पिन गेंदबाज ने सिर हिलाकर हामी भरी. युजवेंद्र चहल कहते हैं, रिश्ता एक समझौते की तरह होता है. अगर एक नाराज होता है, तो दूसरे को सुनना पड़ता है. कभी-कभी दो लोगों का नेचर आपस में मेल नहीं खाता.

मैं इंडिया के लिए खेल रहा था, वह भी अपना काम कर रही थी. यह 1-2 साल से चल रहा था.

क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते थे चहल

युजवेंद्र चहल ने भावुक होते हुए कहा, मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे, अपनी जिंदगी से थक चुका था. मैं 2 घंटे रोता था, बस 2 घंटे सोता था. ऐसा 40-45 दिनों तक चला. मैं क्रिकेट से ब्रेक चाहता था. मैं क्रिकेट में इतना व्यस्त था कि ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था. मैंने अपने दोस्त के साथ इन चीजों को शेयर किया.

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर फैसला 20 मार्च 2025 को मुंबई के बांद्रा हाईकोर्ट में आया था. चहल और धनश्री ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद 22 दिसंबर 2020 को शादी की थी. चहल काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. चहल ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था.

हर किसी की अपनी जिंदगी होती है

युजवेंद्र चहल ने कहा, मैं इधर भी टाइम दे रहा था, उधर भी, पर रिश्ते के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं बचा. और फिर हर दिन लगता था कि छोड़ो, रहने देते हैं. हर किसी की अपनी ज़िंदगी होती है और अपने लक्ष्य होते हैं. एक पार्टनर के तौर पर आपको साथ देना होता है. युजवेंद्र चहल ने बताया, जब मेरा तलाक हुआ, लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा. लेकिन मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया. मेरी दो बहनें हैं, और मैंने महिलाओं का सम्मान करना अपने माता-पिता से सीखा है. यह जरूरी नहीं है कि अगर मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा जा रहा है, तो लोग व्यूज के लिए उसके बारे में कुछ भी लिखें.

काशी से मोदी का संकल्प: "सिंदूर के बदले का वचन निभाया, अब खरीदेंगे वही जिसमें हो भारत का पसीना"

-प्रधानमंत्री ने काशी में भावुक अंदाज़ में जनता को किया संबोधित

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी (वाराणसी) में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अपने भावुक अंदाज़ और सख़्त व्यापारिक नीति के संदेश के साथ देशवासियों से 'स्वदेशी अपनाओ' का आह्वान किया। भाषण में उन्होंने "सिंदूर के बदले का वचन" जैसे भावनात्मक वाक्य और "हम वही खरीदेंगे जिसे बनाने में भारतीय का पसीना बहा हो" जैसे आत्मनिर्भरता से जुड़े संदेशों के ज़रिए जनता का ध्यान आकर्षित किया। उनका यह भाषण न सिर्फ काशीवासियों के लिए भावनात्मक था, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति, खासकर अमेरिका और चीन जैसे देशों के साथ भारत की टैरिफ नीति के संदर्भ में भी अहम माना जा रहा है।

काशी से भावनात्मक रिश्ता और 'वचन' की बात

प्रधानमंत्री ने काशी को अपनी आत्मा बताया और कहा: "काशी ने मुझे गोद लिया था, और मैंने वादा किया था कि जब तक एक-एक काशीवासी के चेहरे पर संतोष और सम्मान नहीं देखूंगा, चैन से नहीं बैठूंगा। आज जब मैं यहां आया हूं, तो मेरी आंखें नम हैं – क्योंकि आज मुझे लगता है कि मैंने 'सिंदूर के बदले का वचन' निभाया है।" यहां 'सिंदूर के बदले का वचन' का अर्थ उन बहनों के प्रतीकात्मक सम्मान से था जिन्होंने 2014 में मोदी को 'रक्षा' और 'सम्मान' का प्रतीक मानकर उन्हें जिताया था।

'टैरिफ वॉर' पर मोदी का स्पष्ट संदेश

मोदी ने अपने भाषण में अंतरराष्ट्रीय व्यापार युद्ध (टैरिफ वॉर) का ज़िक्र करते हुए भारत की नीति स्पष्ट कर दी: "हम अब वो सामान नहीं खरीदेंगे जो केवल सस्ता हो। हम वही खरीदेंगे जिसमें मेरे किसान, मेरे मज़दूर, मेरे नौजवान का पसीना बहा हो। जो भारत में बना हो – उसी को अपना मानेंगे।" यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों के बीच टैरिफ बढ़ाने और घटाने को लेकर व्यापारिक टकराव तेज़ है। भारत ने भी कुछ महत्त्वपूर्ण उत्पादों पर टैरिफ में बदलाव किए हैं।

'वोकल फॉर लोकल' का दोबारा ज़ोर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पुराने अभियान "वोकल फॉर लोकल" को फिर से केंद्र में रखा। उन्होंने कहा: "अब समय आ गया है कि भारत का हर नागरिक अपनी पसंद को राष्ट्र की ताक़त बनाए। त्योहार हो या रोज़मर्रा की ज़रूरतें – हर चीज़ में पहले देश देखो, फिर दाम।" मोदी ने युवाओं और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आगे आएं और ऐसे उत्पाद बनाएं जो केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को लुभाएं।

'मेक इन इंडिया' और 'भारत का आत्मसम्मान'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब उस दौर में नहीं है जब विदेशी कंपनियों की ओर ताके। उन्होंने गर्व के साथ कहा: "आज भारत मोबाइल से लेकर मिसाइल तक बना रहा है। आज भारत टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर हो रहा है। ये आत्मनिर्भरता सिर्फ अर्थव्यवस्था नहीं, आत्मसम्मान की बात है।" मोदी ने यह भी जोड़ा कि 'मेक इन इंडिया' केवल एक योजना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षा है।

गांव, किसान और कारीगर का ज़िक्र

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में गांव और ग्रामीण उत्पादों की बात करते हुए कहा: "काशी के घाट पर जो दीया जलता है, उसके पीछे किसी कुम्हार की मेहनत होती है। जो चरखा चलता है, उसके पीछे किसी महिला की मेहनत होती है। मैं चाहता हूं कि भारत का हर नागरिक इन मेहनतों को समझे और इन्हें अपनाए।" उन्होंने खादी, हस्तशिल्प, हथकरघा और ग्रामीण उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की।

राजनीतिक संकेत और वैश्विक संदेश

इस भाषण को राजनीतिक रूप से भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह ऐसे समय आया है जब भारत विदेशी निवेश को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन साथ ही 'स्मार्ट प्रोटेक्शनिज़्म' की नीति भी अपना रहा है। मोदी का यह बयान उन देशों को स्पष्ट संकेत है जो केवल भारत को बाज़ार मानते हैं।

काशी की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश स्पष्ट था – अब भारत भावनात्मक रूप से भी जाग चुका है और आर्थिक रूप से भी सजग हो रहा है। 'वोकल फॉर लोकल' केवल नारा नहीं, बल्कि आर्थिक आज़ादी की दिशा में एक संकल्प बन चुका है। "सिंदूर के बदले का वचन" और "भारतीय पसीने की क़द्र" जैसे शब्द देश की आत्मा को छूते हैं और एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की ओर इशारा करते हैं।

राहुल गांधी का बड़ा हमला: भारत का चुनावी सिस्टम मर चुका है

-15 सीटों पर धांधली न होती तो मोदी PM न होते

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर देश के चुनावी तंत्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का इलेक्शन सिस्टम अब निष्पक्ष नहीं रहा, बल्कि पूरी तरह से 'मर चुका है'। राहुल का यह बयान हाल ही में संपन्न 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर सामने आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि अगर सिर्फ 15 सीटों पर धांधली न होती, तो नरेंद्र मोदी आज भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते।

धांधली के आरोप, चुनाव आयोग पर सवाल

राहुल गांधी ने दावा किया कि कुछ राज्यों की 15 लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुईं। उनका आरोप था कि इन सीटों पर न सिर्फ ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ हुई, बल्कि प्रशासन और चुनाव आयोग ने भी सत्ताधारी दल को फायदा पहुंचाने की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "ये 15 सीटें तय कर दी गई थीं। वहां विपक्ष को ठीक से प्रचार करने नहीं दिया गया। वोटरों को डराया गया, और कुछ जगहों पर मतदान के आंकड़े भी असामान्य थे।" उन्होंने यह भी पूछा कि जब सारे देश में एक जैसा चुनाव होता है, तो सिर्फ कुछ सीटों पर वोटिंग प्रतिशत और परिणाम इतने असामान्य क्यों रहे?

मीडिया और संस्थाओं की चुप्पी पर भी सवाल

राहुल गांधी ने भारतीय मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर भी नाराजगी ज़ाहिर की। उन्होंने कहा कि आज भारत में मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्ताधारी दल के इशारों पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "जब हम चुनाव में धांधली की बात करते हैं, तो मीडिया हमसे सबूत मांगता है, लेकिन सत्ता पक्ष से कभी सवाल नहीं करता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता अब जनता को भी संदेहास्पद लगने लगी है।"

"इलेक्शन सिस्टम अब सिस्टम ही नहीं रहा"

राहुल गांधी ने अपने भाषण में भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संविधान में जो चुनाव प्रणाली दी गई थी, वह आज कागज़ों तक ही सीमित रह गई है। उन्होंने कहा, "इलेक्शन सिस्टम अब एक राजनीतिक औजार बन गया है। यह अब लोकतंत्र के लिए नहीं, बल्कि सत्ता बनाए रखने के लिए इस्तेमाल हो रहा है।"

विपक्ष की एकजुटता को बताया जनता की आवाज़

राहुल गांधी ने 2024 चुनाव में विपक्षी गठबंधन 'INDIA' की मजबूती की ओर इशारा करते हुए कहा कि भले ही बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हो, लेकिन जनता ने उसे स्पष्ट बहुमत नहीं दिया। उन्होंने कहा, "हमारी ताकत को कम मत आंकिए। हम एकजुट होकर लोकतंत्र की लड़ाई लड़ रहे हैं। अगर 15 सीटों पर चुनाव निष्पक्ष होते, तो नतीजा कुछ और होता।"

उन्होंने यह भी जोड़ा कि इन 15 सीटों पर वे कानूनी कार्रवाई के विकल्प पर विचार कर रहे हैं और चुनाव आयोग से भी पुनर्मूल्यांकन की मांग करेंगे।

बीजेपी की प्रतिक्रिया: "हारे हुए नेता की बौखलाहट"

भाजपा की ओर से राहुल गांधी के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया आई है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, "राहुल गांधी हर चुनाव के बाद यही राग अलापते हैं। जब जनता उन्हें नकार देती है, तो वे सिस्टम पर सवाल उठाते हैं। 15 सीटों की बात करना उनके हताशा और भ्रम का संकेत है।" बीजेपी नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व चुनाव हार को स्वीकार करने के बजाय जनता की बुद्धिमत्ता का अपमान कर रहा है।

चुनाव विश्लेषकों की राय

कुछ चुनाव विश्लेषकों ने राहुल गांधी के बयान को राजनीतिक रणनीति बताया है, जिससे विपक्षी खेमा अपने समर्थकों को एकजुट बनाए रख सके। वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन उसके लिए ठोस सबूत भी ज़रूरी होते हैं। प्रसिद्ध राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव ने कहा, "राहुल गांधी की चिंताओं को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ये भी ज़रूरी है कि इस तरह के आरोप तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित हों।"

लोकतंत्र पर बहस, सत्तापक्ष बनाम विपक्ष

राहुल गांधी का यह बयान भारतीय लोकतंत्र की स्थिति पर एक नई बहस को जन्म देता है। जहां एक तरफ सत्ताधारी दल इसे विपक्ष की हताशा बता रहा है, वहीं दूसरी ओर यह सच है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और भरोसे को बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

भारी बारिश का कहर: मनाली-लेह हाईवे पर लैंडस्लाइड

-जम्मू-कश्मीर में चट्टान गिरने से अफसर और बेटे की मौत

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर तबाही मचा दी है। शनिवार को मनाली-लेह हाईवे पर भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के चलते कई घंटे तक सड़क पूरी तरह बंद रही, वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक दर्दनाक हादसे में चट्टान गिरने से एक सरकारी अफसर और उनके बेटे की जान चली गई।

मनाली-लेह हाईवे पर फंसे सैकड़ों वाहन

मनाली-लेह हाईवे भारत के सबसे महत्वपूर्ण पर्वतीय मार्गों में से एक है, जो हिमाचल प्रदेश को लद्दाख से जोड़ता है। बीते 24 घंटे से जारी भारी बारिश और पहाड़ों के दरकने से इस मार्ग के कई हिस्सों में लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र बारालाचा ला और जिंगजिंगबार के बीच बताया जा रहा है। BRO (बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन) के अधिकारियों के मुताबिक, भारी मलबा और पत्थर गिरने से हाईवे का एक हिस्सा पूरी तरह बंद हो गया, जिससे सैकड़ों वाहन रास्ते में फंस गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी के घायल होने की खबर नहीं आई। मशीनों और कर्मचारियों की मदद से रास्ता साफ करने का काम जारी है, लेकिन मौसम की स्थिति को देखते हुए इसमें देर लग सकती है।

जम्मू-कश्मीर में चट्टान गिरने से दो की मौत

वहीं दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के पाडर इलाके में एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां एक पहाड़ी रास्ते से गुजरते वक्त एक अफसर और उनके बेटे पर अचानक बड़ी चट्टान आ गिरी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों की पहचान 48 वर्षीय जगदीश कुमार, जो जल संसाधन विभाग में अधिकारी थे, और उनके 20 वर्षीय बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों एक निजी वाहन से क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मौसम विभाग का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार, मॉनसून इस बार सामान्य से अधिक सक्रिय है, जिससे पहाड़ी इलाकों में आपदा की आशंका बढ़ गई है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को सलाह दी गई है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। प्रशासन ने कई संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी कर राहत एवं बचाव दलों को तैनात कर दिया है।

लगातार बारिश से बढ़ी मुसीबतें

बारिश के कारण न केवल सड़क मार्ग बाधित हुए हैं, बल्कि कई गांवों का संपर्क मुख्य शहरों से कट गया है। बिजली आपूर्ति, मोबाइल नेटवर्क और अन्य सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और कई स्थानों पर घरों में पानी घुसने की भी खबरें हैं।

"ट्रंप बोले- भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा"; रिपोर्ट में दावा- अब भी जारी है आयात

-भारत की ऊर्जा नीति पर विदेशी दबाव बेअसर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक सार्वजनिक बयान में कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि भारत जल्द ही रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर सकता है। ट्रंप ने यह कहा जब उनसे पूछा गया कि वह रूस-भारत संबंधों को कैसे देखते हैं। ट्रंप ने कहा, "मुझे बताया गया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ये अच्छी बात है, लेकिन मैं खुद इसकी पुष्टि नहीं कर सकता।" हालांकि, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार की रिपोर्ट्स और भारतीय व्यापारिक आंकड़ों से साफ ज़ाहिर होता है कि भारत अब भी रूस से बड़े पैमाने पर तेल आयात कर रहा है। दरअसल, 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने रूस से डिस्काउंट रेट पर कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था और वह अब तक जारी है।

भारत-रूस तेल व्यापार की वर्तमान स्थिति

रूस अब भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन चुका है। जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने रूस से औसतन 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया। यह मात्रा सऊदी अरब और इराक से होने वाले कुल आयात से भी अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने पश्चिमी प्रतिबंधों का लाभ उठाते हुए रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना जारी रखा है। इससे भारत की ऊर्जा जरूरतों को सस्ता विकल्प मिला है, जिससे देश की महंगाई पर नियंत्रण रखने में मदद मिली है।

पश्चिमी देशों की आलोचना और भारत का रुख

पश्चिमी देशों, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर कई बार चिंता जताई है। उनका तर्क है कि इस व्यापार से रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहारा मिल रहा है। हालांकि भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार कहा था, "अगर यूरोप को अपनी ज़रूरतों के लिए रूस से ऊर्जा खरीदने की आज़ादी है, तो भारत को भी अपनी ज़रूरतों के अनुसार निर्णय लेने का हक़ है।" भारत सरकार का रुख हमेशा यही रहा है कि वह किसी दबाव में आकर नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए नीति निर्धारण करता है।

ट्रंप के बयान का उद्देश्य और संभावित असर

उनके बयान को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका मकसद ऊर्जा बाजार और विदेश नीति पर दबाव बनाना हो सकता है। ट्रंप की विदेश नीति पहले भी अमेरिका-फर्स्ट की रही है और वे चाहते हैं कि भारत जैसे देश अमेरिका से अधिक तेल और गैस खरीदें। इसलिए उनका यह बयान भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव डालने की कोशिश भी माना जा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के इस बयान से भारत-रूस ऊर्जा व्यापार पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

भारत की ऊर्जा नीति में विविधता

भारत सरकार रूस से तेल खरीदने के साथ-साथ खाड़ी देशों, अमेरिका, ब्राजील और अफ्रीका से भी तेल आयात कर रहा है। यह विविधता भारत को ऊर्जा आपूर्ति की दृष्टि से लचीलापन देती है। रूस से सस्ता तेल मिलने के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा नीति को दीर्घकालिक स्थिरता और वैश्विक साझेदारियों के संतुलन के साथ चला रहा है। यही कारण है कि भारत ने कभी भी रूस पर पूरी तरह निर्भरता नहीं दिखाई है, बल्कि रणनीतिक रूप से कई देशों से तेल आयात को बनाए रखा है।

डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर सकता है, फिलहाल तथ्यों से मेल नहीं खाता। भले ही यह बयान किसी राजनीतिक उद्देश्य से दिया गया हो, लेकिन मौजूदा आंकड़ों और भारत की नीति स्पष्ट करती है कि रूस से तेल आयात अभी भी जारी है और यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बना हुआ है। भारत वैश्विक दबावों से स्वतंत्र रहकर अपनी ऊर्जा रणनीति चला रहा है और निकट भविष्य में इसमें कोई बड़ा बदलाव होता नहीं दिखता। ट्रंप के बयान से मीडिया में हलचल तो मच सकती है, लेकिन जमीनी स्तर पर भारत-रूस के ऊर्जा संबंध फिलहाल मज़बूत हैं और व्यापार जारी रहने की संभावना अधिक है। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान में दावा किया गया कि भारत जल्द ही रूस से तेल खरीदना बंद कर सकता है, लेकिन वर्तमान आंकड़े इसे खारिज करते हैं। जून 2025 तक भारत रूस से रोज़ाना औसतन 1.5 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात कर रहा है।

भारत ट्रम्प से ट्रेड डील करने में नाकाम रहा: यूनुस बोले- हमने 17% टैरिफ घटवाया

-बांग्लादेश की गारमेंट इंडस्ट्री को मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली/ढाका। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और 'ग्रामीण बैंक' के संस्थापक प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका और बांग्लादेश के बीच हुई हालिया ट्रेड डील को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने बांग्लादेश से आने वाले रेडीमेड गारमेंट्स पर लगभग 17% का टैरिफ घटा दिया है, जिससे उनकी देश की कपड़ा इंडस्ट्री को अरबों डॉलर का फायदा होगा। इस मौके पर उन्होंने भारत पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत डोनाल्ड ट्रम्प से एक संतुलित ट्रेड डील करने में नाकाम रहा, जबकि बांग्लादेश ने सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका को समझाने में सफलता पाई।

बांग्लादेश की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी

प्रो. यूनुस ने कहा, "ये सिर्फ व्यापार की जीत नहीं है, बल्कि एक कूटनीतिक जीत भी है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम जैसे विकासशील देश ने न्यायोचित टैरिफ रियायतें हासिल की हैं, ये हमारे नेतृत्व और टीम वर्क का नतीजा है।" उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका लंबे समय से बांग्लादेश पर टेक्सटाइल आयात पर भारी शुल्क लगा रहा था, जिससे छोटे और मध्यम गारमेंट्स व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा में नुकसान होता था। अब नए समझौते के तहत अमेरिका ने 17% तक टैरिफ घटाने पर सहमति जताई, जिससे बांग्लादेशी प्रोडक्ट्स की वहां मांग और एक्सपोर्ट दोनों में इज़ाफा होगा।

यूनुस का भारत पर कटाक्ष: ट्रम्प से बेहतर डील नहीं कर सका भारत

प्रोफेसर यूनुस ने बिना लाग-लपेट के भारत सरकार की आलोचना की और कहा, "जब ट्रम्प अमेरिका के राष्ट्रपति थे, भारत ने कोशिश तो की लेकिन कोई व्यापक या स्थायी ट्रेड डील हासिल नहीं कर पाया। उल्टा कई भारतीय प्रोडक्ट्स पर अमेरिका ने टैरिफ बढ़ा दिए थे।" उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की सरकार ने एक स्पष्ट और रणनीतिक योजना के तहत बातचीत की, जिसमें यह बताया गया कि उनके उद्योग कैसे अमेरिकी उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचा सकते हैं। यूनुस ने यह भी कहा कि भारत के पास बड़ी आर्थिक ताक़त और वैश्विक नेटवर्क है, लेकिन नीतिगत स्थिरता और समन्वय की कमी के कारण वह इस तरह की डील में पिछड़ जाता है।

क्या है इस डील का बांग्लादेश पर असर?

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा कपड़ा और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर से जुड़ा हुआ है। यहां 40 लाख से ज़्यादा लोग इस सेक्टर में काम करते हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अमेरिका, यूरोप के बाद बांग्लादेशी गारमेंट्स का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

इस डील के बाद:

बांग्लादेश के रेडीमेड गारमेंट्स अब अमेरिका में सस्ते दाम पर बिक सकेंगे, जिससे बिक्री में वृद्धि होगी। नई विदेशी कंपनियां निवेश के लिए आकर्षित होंगी, क्योंकि उन्हें अब अमेरिका में ज़्यादा मुनाफा मिलेगा। बांग्लादेशी मुद्रा 'टक़ा' मजबूत हो सकती है, क्योंकि एक्सपोर्ट रेवेन्यू बढ़ेगा। रोज़गार के नए अवसर बनेंगे और महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

भारत में क्यों नहीं हो पाई ऐसी डील?

जब डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति थे, भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डेफिसिट, मेडिकल डिवाइसेज पर टैरिफ, आईटी सर्विसेज, और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे मसलों पर टकराव था। भारत ने कई बार अमेरिकी प्रशासन से जीएसपी (Generalized System of Preferences) बहाल करने की मांग की थी, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने उसे 2019 में स्थायी रूप से बंद कर दिया। इसके उलट, बांग्लादेश ने सिर्फ एक सेक्टर पर फोकस किया – गारमेंट्स, और वही डील को आगे ले जाने में कामयाब रहा। भारत के नीति विशेषज्ञों के मुताबिक, "भारत बहुत कुछ एक साथ हासिल करना चाहता था, जबकि बांग्लादेश ने अपनी प्राथमिकताओं को सीमित और स्पष्ट रखा।"

भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर पर पड़ेगा असर?

बांग्लादेश को अमेरिकी टैरिफ में मिली छूट का सीधा असर भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट पर भी पड़ सकता है। भारत के रेडीमेड गारमेंट्स अब कीमत के मुकाबले में पीछे हो सकते हैं, क्योंकि बांग्लादेशी प्रोडक्ट सस्ते हो जाएंगे। इससे: भारतीय एक्सपोर्टर्स को अमेरिका में ऑर्डर मिलना मुश्किल हो सकता है

कॉटन और सिंथेटिक फैब्रिक पर आधारित भारतीय यूनिट्स को मार्जिन घटाना पड़ेगा

सरकार को नए इंसेंटिव पैकेज लाने होंगे, ताकि एक्सपोर्ट को बनाए रखा जा सके

अमेरिका ने 7 महीने में 1700 भारतीयों को किया डिपोर्ट

-5 साल में 5541 नागरिकों को भेजा वापस

नई दिल्ली। अमेरिका ने 2024 के शुरुआती सात महीनों (जनवरी से जुलाई) के भीतर 1700 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है। इन भारतीयों को "अवैध रूप से प्रवेश", "वीज़ा नियमों का उल्लंघन", या "अवैध प्रवासी गतिविधियों" के चलते डिपोर्ट किया गया। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, इन 1700 भारतीयों में 1562 पुरुष और 141 महिलाएं शामिल थीं। यह जानकारी विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब के दौरान दी। उन्होंने बताया कि पिछले 5 वर्षों में अमेरिका ने कुल 5541 भारतीयों को डिपोर्ट किया है। यह आंकड़ा यह दिखाता है कि हर साल बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक अमेरिका में अवैध रूप से बसने या काम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उन्हें सफल नहीं होने पर वापस भेज दिया जाता है।

अमेरिका जाने का सपना और सख्त इमिग्रेशन कानून

अमेरिका लंबे समय से भारतीय युवाओं के लिए सपनों की सरज़मीन रहा है। वहां की बेहतर शिक्षा, नौकरी के अवसर और जीवनशैली ने लाखों भारतीयों को आकर्षित किया है। लेकिन बढ़ती मांग के कारण अमेरिका ने हाल के वर्षों में अपने इमिग्रेशन कानून और वीज़ा नियमों को और सख्त बना दिया है। कई बार युवा दलालों के झांसे में आकर फर्ज़ी दस्तावेज़ों के जरिए या गैरकानूनी रास्तों से अमेरिका पहुंचने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों को अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारी पकड़ लेते हैं और उन्हें डिटेंशन सेंटर्स में रखकर बाद में डिपोर्ट कर दिया जाता है।

डिपोर्ट किए गए भारतीयों की सूची:

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 2024 में जनवरी से जुलाई तक डिपोर्ट किए गए 1700 भारतीयों में से—

1562 पुरुष

141 महिलाएं

शेष लोग अन्य श्रेणियों में आते हैं, जिनमें नाबालिग भी हो सकते हैं। इसके साथ ही वर्ष 2019 से 2023 तक कुल 3841 भारतीय नागरिकों को अमेरिका ने डिपोर्ट किया था। यानी कि कुल मिलाकर 2019 से अब तक 5541 भारतीयों को अमेरिका से जबरन वापस भेजा गया है।

सरकार की प्रतिक्रिया और उपाय

विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने बताया कि सरकार सभी विदेशों में रह रहे भारतीयों के अधिकारों और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि— "सरकार भारत के नागरिकों के वैध अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संबंधित देशों से बातचीत करती है। साथ ही, अवैध इमिग्रेशन के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।" विदेश मंत्रालय ने साथ ही यह भी कहा कि अवैध रूप से विदेशों में बसे भारतीयों की मदद के लिए भारत के दूतावास सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। जिन लोगों को डिपोर्ट किया जाता है, उन्हें उनकी पहचान सुनिश्चित होने के बाद भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

क्या है डिपोर्टेशन की प्रक्रिया?

जब कोई व्यक्ति अमेरिका में अवैध रूप से पाया जाता है, तो उसे पहले हिरासत में लिया जाता है। उसके बाद उसकी पहचान, राष्ट्रीयता और दस्तावेज़ों की जांच की जाती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,